जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 245 प्रभात उदयपुर, सोमवार 8 जुलाई, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

रशियन फेडरेशन में उत्तरी कॉकेशिया के ऊबड़-खाबड़ इलाकों में प्राचीन मीनारें अभी भी देखी जा सकती हैं, इंगश, चैचन और वाइनैख लोगों द्वारा सदियों पहले शुरु की गई वास्तुकला परम्परा के मौन पहरेदार के रुप में। चार हज़ार सालों की अवधि में बनीं ये विशाल संरचनाएं आवास और रक्षा दोनों के लिए इस्तेमाल होती थीं। इस समय जो मीनारें बची हुई हैं, वो 13 वीं शताब्दी से 17 वीं शताब्दी के बीच बनाई गई थीं। अधिकतर इंगश मीनारें 6 से 12 मीटर के चौकोर "बेस" पर बनी थीं जिनकी ऊँचाई 10 से 25 मीटर तक होती थी। इन मीनारों को बनाने के लिए, पत्थर के ब्लॉक्स को संभवतया चूना, चूना-मिट्टी या चूना -रेत मोर्टार से जोड़ा जाता था। मीनारों का निर्माण विस्तृत विधि -विधान के साथ सम्पन्न होता था, चाहे मीनार सुरक्षा के लिए हो या रिहाइश के लिए। जानवरों की बलि चढ़ाने के बाद, रिवाज़ के अनुसार, उनका खून नींव के पत्थर पर लगाया जाता था और "मास्टर बिल्डर" की भूमिका को सराहते हुए गीत व लोककथाएं रची जाती थीं। इंगश परंपरा के अनुसार, मीनारों का निर्माण एक वर्ष के अंदर पूरा हो जाना होता था, अन्यथा, न केवल परिवार को कमज़ोर बल्कि मीनार बनाने वाले कारीगर को अयोग्य समझा जाता था। मीनार ढहने के गंभीर परिणाम होते थे, मीनार के मालिकों की प्रतिष्ठा को दाग लगता था और मुख्य मिस्त्री को भविष्य के काम मिलना मुश्किल हो जाता था। मीनारें अक्सर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों, जैसे घाटी के प्रवेश, चौराहे या नदी के किनारों पर बनाई जाती थीं। मीनारों के लिए हिमस्खलन व भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को झेल सकने वाले स्थानों को चुना जाता था। मीनारों के नैटवर्क की सहायता से पड़ौसी गांव, एक दूसरे पर लगातार निगरानी रखते। संकट के समय, मीनारों के बीच, संकेतों के माध्यम से सूचना का त्वरित आदान-प्रदान संभव होता था। आवासीय मीनारें दो से तीन मंजिला हुआ करती थीं। आवासीय मीनारों का भूतल, पशु धन को छाया देता था, जबकि दूसरी मंजिल पर लोग रहते थे। सबसे ऊपर वाली मंजिल पर खाने का सामान, कृषि औजार रखे जाते थे और किसी-किसी मीनार में तीसरी मंजिल पर बालकनी भी होती थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मु.मंत्री राजे से मुलाकात की

विधानसभा की 5 सीटों पर होने वाले उप चुनाव और बजट सहित कई अन्य मुद्दों पर एक घंटे हुई चर्चा

- **माना जा रहा है कि, हाल में सम्पन्न हुये लोकसभा चुनावों में वसुंधरा राजे की नाराजगी के कारण पार्टी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था।**
- **आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनज़र मु.मंत्री भजनलाल शर्मा की वसुंधरा राजे से इस मुलाकात को उनकी नाराजगी कम करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है।**
- **मु.मंत्री ने लोकसभा चुनाव के पहले गत 26 जनवरी को वसुंधरा राजे से उनके घर जाकर मुलाकात की थी।**

जयपुर, 7 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मिलने उनके सरकारी आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री एक घंटे से ज्यादा समय तक राजे के आवास पर रुके। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच विधानसभा की 5 सीटों पर होने वाले उप चुनाव और बजट को लेकर चर्चा हुई। इसके साथ यह भी संभावना है कि डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर भी चर्चा हुई होगी।

लोकसभा चुनावों से पहले भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी को राजे से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। दोनों नेताओं की आज की मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, जबसे भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री बने हैं, तबसे वसुंधरा राजे ने सरकारी और पार्टी के कार्यक्रमों से पूरी तरह से किनारा कर लिया था। भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विधायक और पार्टी पदाधिकारियों के साथ डिनर कार्यक्रम, लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित हुई चुनिंदा नेताओं की बैठक में भी राजे शामिल नहीं हुई थीं।

वहीं, लोकसभा चुनावों में भी राजे ने खुद को झालावाड़ संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रख लिया था। राजे पूरे लोकसभा चुनावों में किसी दूसरे संसदीय क्षेत्र में प्रचार के लिए नहीं गई थीं। इसे राजे की नाराज़गी के तौर पर देखा जा रहा था। अब इस साल होने वाले विधानसभा उप चुनाव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए असली चुनौती है। ऐसे में राजे को साधना पार्टी के लिए काफी जरूरी हो गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने सत्ता संभालने के साथ ही प्रदेश में पी.के.सी.-ई.आर.सी.पी. को लेकर मध्यप्रदेश के साथ एम.ओ.यू. साइन किया था। वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कई बार सार्वजनिक मंचों से यह कह चुके हैं कि ई.आर.सी.पी. का प्रोजैक्ट तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे लेकर आई थीं। इसे हमारी सरकार आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

ऐसे में आज की मुलाकात में दोनों नेताओं के बीच पी.के.सी.-ई.आर.सी.पी. को लेकर भी चर्चा होना बताया जा रहा है। इसके साथ ही आने वाले बजट को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है।

माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में भाजपा के आशा अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने तथा कई संसदीय क्षेत्रों में हार के पीछे भी वसुंधरा राजे की नाराज़गी अहम रही थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बहुत जल्द ही बजट पेश करने वाले हैं। इस मुलाकात को बजट से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

जैसा कि विदित है कि, पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने राजस्थान के कई बजट पेश किये हैं। मु.मंत्री भजनलाल अपने 8 सिविल लाइन्स आवास से चलकर पूर्व मु.मंत्री वसुंधरा राजे के 13 सिविल लाइन्स गये।

वसुंधरा राजे से मिलने से पहले भजनलाल ने जोगाराम से भी उनके घर जाकर मुलाकात की। इस मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है। इससे पहले वसुंधरा राजे भी भजनलाल के 8 सिविल लाइन्स आवास जाकर मुलाकात कर चुकी हैं।

गंगानगर शहर बारिश से जलमग्न, बाढ़ जैसे हालात

चौदह घंटे में तीन बार भारी बारिश आने से शहर के चारों ओर पानी ही पानी हो गया

- **गंगानगर शहर मुख्यालय पर 82 एम.एम. बारिश एवं चुनावढ़ में 54 एम.एम. बारिश दर्ज की गई।**
- **शहर में पानी की निकासी नहीं होने के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं, आवाजाही के लिए घर से बाहर निकले लोग बारिश और रास्तों पर पानी जमा होने के कारण घंटों बीच रास्ते में ही फंसे रहे।**

श्रीगंगानगर, 7 जुलाई (कासं)। गंगानगर इलाके में पिछले चौदह घंटे में तीन बार तेज बारिश आने से शहर में चारों ओर पानी ही पानी हो गया। पानी निकासी नहीं होने के कारण बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। घर से बाहर निकले लोग शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक आवाजाही के लिए बारिश में फंस गए। कई वाहन बंद हो गए तो कहीं पानी निकासी आफत बनी। ई रिक्शा का संचालन काफी कम देखने को मिला। बरसाती पानी से ई रिक्शा ज्यादा खराब होते हैं, ऐसे में चालकों ने आवाजाही से दूरियां बनाये रखी। वहीं मजबूरी में निकले लोगों को जलमग्न हुई सड़कों को पार करने में अड़चन आई। पानी निकासी के इंतजाम रामभरोसे रहे। हालांकि पानी निकासी के लिए नगर परिषद की टीमों ने प्रयास किए है लेकिन धरातल पर नजर नहीं आए। इस बीच, जिला प्रशासन का दावा है कि, बारिश जिला मुख्यालय पर 82 एम.एम. बारिश, चूनावढ़ में 54 एम.एम., मिर्जेवाला में 58 एम.एम. बारिश हुई है जबकि सादुलशहर में 56 एम.एम. बारिश दर्ज की हैं। इसके अलावा सूरतगढ़ , करणपुर, राजियासर में भी बरसात के समाचार हैं।

जिला मुख्यालय पर रविवार को सुबह साढ़े छह बजे बरसात का दौर शुरू हो गया। करीब आठ बजे तक बरसी बारिश से शहर का अधिकांश एरिया जलमग्न हो गया। गौशाला मार्ग, मीरा मार्ग, सुखाडिया मार्ग, सूरतगढ़ मार्ग, पदमपुर रोड, रवीन्द्र पथ, गगन पथ, पुरानी आबादी के काफी इलाके पानी से पानी में नजर आए। इस बरसात से उमस भरी गर्मी से छुटकारा भले ही मिल गया हो लेकिन शहर के अधिकांश हिस्सों में पानी भराव हो गया है। इधर, ग्रामीण क्षेत्र में पानी के बिना मुरझाने के साथ दम तोड़ रही फसलों को नया जीवनदान मिला है।

शहर में अमृत योजना के तहत सीवरेज कार्य चल रहे हैं। सीवरेज कार्यों के तहत दर्जनों स्थानों पर सड़कों पर चैंबर्स के लिए गड्ढे खोद रखे हैं व निर्माण कार्य चल रहा है। रविवार को हुई तेज बारिश से गड्ढे पानी से भर गए। अनेक गड्ढों में सड़कों से पानी पहुंचता रहा। इन गड्ढों के कारण हादसे की आशंका बनी रही। वहीं गंगासिंह चौक, मल्टीपरपज स्कूल और पुरानी शुगर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रणथम्भौर में बाघ टी-58 की मौत

- **रविवार शाम 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में मृत पाया गया। मौत के कारणों का पता सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद ही चल पाएगा।**

सवाई माधोपुर, 7 जुलाई (निस) । रणथंभौर अभयारण्य से रविवार को बाघ, टी-58 की मौत की दुःखद खबर सामने आई।

कार्यवाहक डीवीजनल फॉरेस्ट ऑफिसर मानस सिंह ने बताया की बाघ टी-58, बाघिन 26 शर्मीली का बेटा है, जिसकी उम्र 13 साल थी। टाइगर टी-58 रविवार को शाम को 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में मृत पाया गया। शव को राजबाग़ वन्य जीव मोर्चेरी में रखवाया गया। जिसकी मौत के कारणों का सोमवार पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल पाएगा। टाइगर की मौत बाघ संरक्षण एवं वन्य जीव प्रेमियों के लिए बड़ी दुःखद खबर है।

रणथम्भौर अभयराण्य में रविवार को बाघ टी-58 की मौत हो गई। रविवार शाम 6 बजे टाइगर हिंदवाड के पास फलोदी रेंज में टाइगर मृत पाया गया। बाघ टी-58, बाघिन 26 शर्मीली का बेटा है, जिसकी उम्र 13 साल थी।

राहुल आज मणिपुर व असम जाएंगे

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पूर्वोत्तर की यात्रा पर रहेंगे जहां वे असम के बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद मणिपुर के हिंसा पीड़ितों से भी मिलेंगे।

कांग्रेस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गांधी सुबह असम के बाढ़

- **कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को पूर्वोत्तर की यात्रा पर रहेंगे जहां वे असम के बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद मणिपुर के हिंसा पीड़ितों से भी मिलेंगे।**

पीड़ित कछार जिले के थलाई राहत शिविर में जाएंगे और बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करेंगे।

उन्होंने बताया कि उसके बाद गांधी सीधे मणिपुर जाएंगे जहां वह जिरिबिम हायर सेकेंडरी स्कूल, मोइरंग के फुबाला हाई स्कूल के साथ ही मंडप, तूबांग चुराचांदपुर में पीड़ितों के राहत शिविरों में लोगों से मिलेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला क्रिकेटर्स के यौन उत्पीड़न केस में कोच गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 7 जुलाई। केरल में महिला क्रिकेटरों के पूर्व कोच को यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उस पर प्रशिक्षण सत्र के दौरान महिला छात्रों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया है। मामले में केरल के मानवाधिकार आयोग ने खुद की

- **केरल के मानवाधिकार आयोग ने खुद की संज्ञान लेकर पूर्व कोच के खिलाफ महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया है।**

संज्ञान लेकर पूर्व कोच के खिलाफ महिला खिलाड़ियों से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करवाया है। साथ ही आयोग ने केसीए को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पूर्व कोच पर आरोप है कि ट्रेनिंग सेशन के दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी रेलगाड़ियों के लोको पायलट्स की "दुर्गति" के मुद्दे को संसद में उठायेंगे

राहुल गांधी ने दो दिन पहले लोको पायलट्स से मुलाकात की थी तब उन्होंने उन्हें अपनी दिक्कतें बताईं और कहा कि, उनका जीवन बहुत कठिन हो गया है। उनसे बहुत ज्यादा काम लिया जाता है, छुट्टी नहीं दी जाती है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिलता जो रेल दुर्घटनाओं की भी एक वजह है

- **राहुल गांधी के लोको पायलट से मुलाकात का वीडियो कांग्रेस ने रविवार को अपने एक्स हैंडल पर जारी किया जिसमें पायलट अपनी समस्या राहुल गांधी को बता रहे हैं। कांग्रेस नेता ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद कहा कि मोदी सरकार में लोको पायलटों का जीवन बेहद मुश्किल हो चुका है।**
- **उन्होंने कहा, गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर लोको पायलट 16-16 घंटे काम करने को मजबूर हैं। लगातार और बिना छुट्टी के काम करने की वजह से लोको पायलटों शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं।**

नई दिल्ली, 7 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी सरकार ने लोको पायलटों के जीवन की रेल को पटरी से उतार दिया है और उनके जीवन को बहुत कठिन बना दिया है इसलिए वह इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे।

राहुल गांधी दो दिन पहले नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों से मिले थे और उन्होंने लोको पायलट की समस्याएं सुनी। इस दौरान लोको पायलट्स ने उन्हें अपनी दिक्कतें बताई और कहा कि उनका जीवन बहुत कठिन हो गया है। उनसे बहुत ज्यादा काम लिया जाता है, छुट्टी नहीं दी जाती है और उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिलता जो रेल दुर्घटनाओं की भी एक वजह है।

गांधी के लोको पायलट से मुलाकात का वीडियो कांग्रेस ने रविवार को अपने ट्विटर हैंडल पर जारी किया जिसमें पायलेट अपनी समस्या गांधी को बता रहे है। कांग्रेस नेता ने उनकी समस्याएं सुनने के बाद कहा कि मोदी सरकार में लोको पायलटों का जीवन बेहद मुश्किल हो चुका है।

कांग्रेस नेता ने कहा, लगातार और बिना छुट्टी के काम करने की वजह से लोको पायलटों शारीरिक और मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। इंडिया समूह लोको पायलटों के अधिकारों और वर्किंग कंडीशंस को बेहतर किए जाने के लिए संसद तक आवाज उठाएगा। नरेंद्र मोदी की सरकार में लोको पायलटों के जीवन की रेल पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है।

उन्होंने कहा, गर्मी से खौलते केबिन में बैठ कर लोको पायलट 16-16 घंटे काम करने को मजबूर हैं। जिनके भरोसे करोड़ों ज़िंदगियां चलती हैं उनकी अपनी ज़िन्दगी का कोई भरोसा नहीं रह गया है। यूरिनल जैसी बेसिक सुविधाओं से भी वंचित लोको पायलट्स के न काम के घंटों की कोई लिमिट है और न ही उन्हें छुट्टी मिलती है जिसके कारण वह शारीरिक और मानसिक रूप से टूट कर बीमार हो रहे हैं। ऐसे हालात में लोको पायलटों से गाड़ी चलवाना उनकी और यात्रियों की जान को जोखिम में डालना है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक कल

जयपुर, 7 जुलाई (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक दल की बैठक 9 जुलाई को आयोजित होगी। राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन तथा बाप के नवनिर्वाचित

- **होटल मेरियेट (जवाहर सर्किल, जयपुर) में आयोजित समारोह में कांग्रेस सांसदों का सम्मान भी किया जायेगा।**

सांसदों का स्वागत समारोह राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित किया जाएगा। सभी कार्यक्रम जयपुर में जवाहर सर्किल स्थित होटल मेरियट में आयोजित होंगे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि 9 जुलाई को जयपुर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दोष पराये देखकर चालत हसंत-हसंत,
अपने याद ना आवई जिनका आदि ना अंत। –कबीर

एक-दूसरे के पूरक हैं सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष!

यह बात अनेक बार कही जा चुकी है संसद की एक मिनिट की कार्यवाही पर कितना पैसा खर्च होता है! जितना पैसा संसद की कार्यवाही पर खर्च होता है, उतना तो नहीं लेकिन उससे कम राज्यों की विधानसभाओं की कार्यवाही पर भी खर्च होता है। कहने की ज़रूरत नहीं, लेकिन कहना भी है कि यह सारा पैसा जनता की अर्थात आपकी-हमारी जेब से जाता है। और जब हम पैसा खर्च कर रहे हैं तो हमारी यह अपेक्षा भी अनुचित नहीं कही-मानी जानी चाहिए कि इस पैसे का सदुपयोग हो!

संसद या विधानसभाओं, जिन्हें संयुक्त रूप से विधायिका कहा जाता है, का मुख्य काम है शासन चलाने के लिए नीतियां बनाना, और यह देखना कि वे नीतियां ठीक से क्रियान्वित हो रही हैं या नहीं! सत्ता पक्ष नीतियां तय करता है और उन्हें बनाता व लागू करता है तथा प्रति पक्ष इस बात का ध्यान रखने की कोशिश करता है कि यह सब न्यायसंगत तरीके से हो रहा है या नहीं! असल में तो सत्ता पक्ष व प्रति पक्ष एक-दूसरे के शत्रु नहीं, पूरक हैं। एक के अधूरे काम की तरफ दूसरा ध्यान आकर्षित करता है। अगर सत्ता पक्ष इस बात पर इतराता है कि उसे जनता ने चुना है तो उसे इस बात को भी याद रखना चाहिए कि प्रति पक्ष को भी उसी जनता ने चुना है। एक-दूसरे के प्रति सद्भाव और सहयोग रखकर ही दोनों अपनी-अपनी भूमिका का सही निर्वहन कर सकते हैं।

देखने की बात यह है कि क्या सच में ऐसा हो पा रहा है? लगभग हर जगह, मतलब संसद के दोनों सदनों और राज्यों की अधिकांश विधानसभाओं में, सदनों का ज़्यादा समय हंगामों की भेंट चढ जाने लगा है। यह प्रवृत्ति पहले कम थी, इधर बहुत बढ गई है। सत्ता पक्ष का आरोप होता है कि प्रति पक्ष सदन की कार्र्वाई नहीं चलने दे रहा है जबकि प्रति पक्ष कहता है कि उसे अपनी बात कहने के अधिकार से वंचित रखा जा रहा है। अगर वह अपनी बात ही न कह सके तो उसके होने का औचित्य क्या है? दोनों के बीच बहुत बार तो टकराव व्यवस्थागत मुद्दों को लेकर होते हैं और बहुत बार एक-दूसरे के व्यवहार और सोच को लेकर होते हैं। सत्ता पक्ष अपनी कोई आलोचना नहीं सुनना चाहता है, उसे सुनकर उसका जवाब देना तो बहुत दूर की बात है। और इसी तरह प्रति पक्ष सत्ता पक्ष के सकारात्मक पहलू को सिरे से खारिज करने लगता है। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं रह जाती है। भाषा और व्यवहार की सारी मर्यादाएं तार-तार होने लगी हैं। एक आम नागरिक यह अपेक्षा करता है कि जिसे उसने चुनकर भेजा है वह सदन में जाकर गरिमापूर्ण और ज़िम्मेदारी भरा व्यवहार करेगा लेकिन बहुत बार उसकी यह अपेक्षा पूरी नहीं होती है। माननीयों का जो बरताव हम अपने टेलीविज़न के पर्दों पर देखते हैं उसे किसी भी तरह माननीयोचित नहीं कहा जा सकता।

एक समय था जब संसद और विधानसभाओं की बहसें हमें बहुत कुछ सिखाती थीं। हमारे निर्वाचित जन प्रतिनिधि पूरी तैयारी के साथ सदन में जाते थे और गरिमा व शालीनतापूर्वक अपनी बात कहते थे। ऐसा नहीं है कि तब किसी तरह की आलोचना नहीं होती थी। बहुत तीखी और ध्वस्त कर देने वाली आलोचना भी होती थी, लेकिन उस आलोचना का भी एक स्तर होता था, जिनकी आलोचना की जाती भी उनमें भी यह उदारता होती थी कि वे उस आलोचना को सुनते और गुनते थे, और अवसर आने पर उसका माकूल जवाब भी देते थे। आलोचना करने वाला भी धैर्य पूर्वक उस जवाब को सुनता था। वह ज़माना सीधे प्रसारण का नहीं था, इसलिए हम तक वह सारा विमर्श मुद्रण माध्यमों के ज़रिये ही पहुंचता था। लेकिन हमें वह बहुत रोचक और शिक्षा देने वाला लगता था। आज जब हम सदनों की कार्यवाही लाइव देखते हैं, कुल मिलाकर प्रतिक्रिया यह होती है कि इसे देखा ही क्यों? चुनाव जीतने पर जिनके प्रति मन में सम्मान का भाव पैदा होता था, उनका व्यवहार देखकर वह सारा सम्मान लुप्त हो जाता है।

जैसा मैंने पहले कहा, जब संसद या विधानसभाओं में हो-हल्ला होता है, प्राय: सत्ता पक्ष यह आरोप लगाता है कि प्रतिपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा है। यहां दो बातें विचारणीय हैं। एक तो यह कि सदन की कार्यवाही चले, यह सुनिश्चित करना किसका दायित्व है: सत्ता पक्ष का या प्रति पक्ष का? अगर आप यह जवाब दे रहे हैं कि दोनों का, तो भी यह सवाल अपनी जगह रहेगा कि प्राथमिक दायित्व किसका है? प्रति पक्ष सहयोग करे यह सुनिश्चित करने का दायित्व सत्ता पक्ष का है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। दूसरी बात यह कि भला प्रति पक्ष की इस बात में कोई रुचि क्यों हो सकती है कि सदन न चले? उसका तो सारा हित सदन के चलने में निहित है। सदन चले और प्रति पक्ष अपनी बात कहे, सरकार को कटघरे में खड़ा करे - इससे बेहतर बात उसके लिए क्या हो सकती है? सदन के न चलने से हानि तो प्रति पक्ष की ही है। अब इसी बात को दूसरे कोण से भी देखें। अगर सदन ठीक से चले और प्रति पक्ष अपनी बात कह सके तो ज़ाहिर है कि सरकार की बहुत सारी खामियां सामने आएंगी। सरकार को, आज के माहौल वाली सरकार को, भला यह बात क्यों स्वीकार्य होगी? तो कोशिश तो उसकी होगी कि सदन की कार्यवाही न चले। बहुत बार तो यह भी लगता है कि सत्ता पक्ष प्रति पक्ष की आलोचना से बचने के लिए ख़ुद ऐसी स्थितियां पैदा करता है जिससे सदन में हो हल्ला हो, प्रति पक्ष अपनी बात न कह सके और अव्यवस्था की आड़ लेकर सत्ता पक्ष सदन की कार्यवाही स्थगित कर सके।

एक समय था जब संसद और विधानसभाओं की बहसें हमें बहुत कुछ सिखाती थीं। हमारे निर्वाचित जन प्रतिनिधि पूरी तैयारी के साथ सदन में जाते थे और गरिमा व शालीनतापूर्वक अपनी बात कहते थे। ऐसा नहीं है कि तब किसी तरह की आलोचना नहीं होती थी। बहुत तीखी और ध्वस्त कर देने वाली आलोचना भी होती थी। आलोचना करने वाला भी धैर्य पूर्वक उस जवाब को सुनता था।

असल में हमने पिछले कुछ बरसों में देखा है कि सरकारें, चाहे वे किसी भी दल की क्यों न हों, ज़्यादा से ज़्यादा घमंडी और असहिष्णु होती जा रही हैं। अपने खिलाफ़ कुछ भी सुनना उन्हें रास नहीं आता है। विरोध और असहमति की हर आवाज़ को कुचलना उनके स्वभाव का हिस्सा बन चुका है। यह आकस्मिक नहीं है कि लोकसभा के पिछले सत्र में एक साथ बहुत सारेविपक्षी सांसदों को निष्कासित किया गया। क्या अनुचित व्यवहार केवल प्रति पक्ष के सांसद ही करते रहे हैं? क्या सत्ता पक्ष के एक भी सांसद का व्यवहार ऐसा नहीं रहा होगा कि उस पर भी निष्कासन की कार्यवाही की जाती? क्या यह एक कटु यथार्थ नहीं है कि अब सरकारें किसी भी तरह की, कितनी भी छोटी से छोटी असहमति को सहन करने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में सवाल यह भी उठना चाहिए कि फिर चुनाव का और पूरी विधायिका का तामझाम क्यों? जब सत्ता पक्ष को अपनी मनमानी ही करनी है, जब उसे प्रति पक्ष की कोई बात सुननी ही नहीं है तो फिर लोकतंत्र का अर्थ ही क्या रह जाता है?

सत्ता पक्ष प्राय: प्रति पक्ष पर यह आरोप लगाता है कि वह नकारात्मक, विध्वंसात्मक और असहयोगी है। इन आरोपों के आलोक में यह परीक्षण किया जा सकता है कि सत्ता पक्ष प्रति पक्ष से क्या अपेक्षा करता है! सकारात्मक प्रति पक्ष क्या और कैसा हो सकता है? क्या सत्ता पक्ष प्रति पक्ष से भी यह अपेक्षा करता है कि वह सत्ता पक्ष की आवाज़ में आवाज़ मिलाकर बात करेगा? सहयोग से उसका क्या अभिप्राय होता है? ग़ैर विध्वंसात्मक व्यवहार कैसा हो सकता है? क्या यह समझा जाए कि सत्ता पक्ष यह अपेक्षा करता है कि उसका नाम भले ही प्रति पक्ष हो, काम वह सत्ता पक्ष की तरह करे! क्या यह अपेक्षा उचित है? क्या इस तरह कोई स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र सम्भव है?

मुझे बहुत रोचक तो यह लगता है कि सत्ता पक्ष बार-बार प्रति पक्ष से कहता है कि उसे अमुक मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए! इससे अधिक हास्यास्पद बात और क्या हो सकती है? जो लोग राजनीति करके चुन कर आए हैं, वे अगर राजनीति नहीं करेंगे तो फिर करेंगे क्या? और क्या राजनीति कोई बुरी चीज़ है? सत्ता पक्ष राजनीति न करके कोई अन्य कार्य करता है? भाई, राजनीति में हैं तो राजनीति करेंगे ही। करनी भी चाहिए।

असल में पिछले कुछ बरसों में बहुत नियोजित तरीके से प्रति पक्ष को दबाया, कुचला और अदृश्य किया गया है। सत्ता ने अपने घमंड में यह सोचना ही बंद कर दिया कि वह कुछ ग़लत कर भी सकती है। अगर किसी ने उसके कामों पर सवाल उठाए तो उसने अपनी भाड़े की फौज़ से उनको दबाने के हर मुमकिन प्रयास करके उनके हौसलों को तोड़ा। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं चल सकता। इस बार जैसे देश ने एक करवट ली है और जिस प्रति पक्ष को अनेक प्रयासों से लस्त-पस्त कर दिया था वह फिर से उठ खड़ा हुआ है। यह बात सत्ता पक्ष को पसंद नहीं आ रही है। संसद की इन दिनों की अनेक बातें इस बात की चुगली कर रही है कि सत्ता पक्ष अभी इस बात को पचा नहीं पा रहा है कि कोई उसके खिलाफ़ चूं तक भी करे! सत्ता पक्ष के प्रमुख चेहरों ने जिस भाषा और तेवर के साथ अपनी बात कही है और प्रति पक्ष का उपहास किया है उसने हमारे मुंह का स्वाद बिगाड़ा है।

हम तो एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना करते हैं जिसमें सत्ता पक्ष और प्रति पक्ष दोनों एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सद्भावना से परिपूर्ण हों और यह मानकर काम करें कि वे एक-दूसरे के पूरक हैं। यह तभी सम्भव हो सकता है जब सत्ता पक्ष प्रति पक्ष को अपना शत्रु और अपने से कमतर मानना और आंकना बंद करे।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भगवान शिव जगत के प्रथम जीवंत पटकथा रचनाकार

प्रो. वीर बहादुर सिंह

कहते है कि एक बार भगवान शिव मां पार्वती के साथ हिमालय में किसी स्थान पर मौन मुद्रा में आसन लगाए बैठे हुए थे, उनके दिमाग में एक कथा ने जन्म लिया तो समाधि से निवृत होकर माता पार्वती से पूछा कि मेरे दिमाग में एक कहानी उपजी है जो बड़ी रोचक है तुम यदि सुनना चाहो तो सुना सकता हूँ लेकिन सुनने की शर्त एक है कि कहीं भी बीच में संदेह मत करना।

माता के राजी होने पर शिव जी ने कथा आरम्भ की। यह राम कथा थी जो उन्होंने प्रथम बार सुनायी थी, बाद में यही कथा महिर्षि वाल्मीक जी ने रामायण के रूप में काव्यबंद की और फिर महात्मा तुलसीदास ने रामचरित मानस के रूप में। बीच की अवधि में कई रामायणें विभिन्न लोगों ने रची, परन्तु उपरोक्त दो ग्रन्थ ही प्रसिद्धि पा सके। इन पटकथाओं की भिन्नता केवल भाषा की है, वाल्मीक जी ने संस्कृत भाषा और तुलसीदास जी ने हिंदी अवधी का मिश्रण अपनाया, जो कि उनके काल में पूरे उत्तर भारत में बोली जाती थी। कथानक दोनों रचनाओं में लगभग समान ही है। और वही है जो भगवान शिव ने माता पार्वती को सुनाया। यह कथा बहुत ही विलक्षण है।

उपरोक्त वर्णित दोनों काव्य ग्रंथ आज भी बने हुए हैं। इस कथा की विलक्षणता ये है कि भगवान शिव ने कथानक के अनुसार सभी पुरुष और स्त्री पात्रों को भी एक काल में उनके किरदार के अनुसार जमीं पर उतार दिया। यथा-राम, रावण, राजा दशरथ, जनक, कैकय, कौशल्या, सुमित्रा, सीता, लक्ष्मण, भरत, हनुमान, बिभीषन, त्रिजटा, मंदोदरी, सुग्रीव, अंगद, जामवंत, निषादराज, केवट, चित्रकूट, किष्किंधा, स्वंय प्रभा, सूर्पनखा, मारीच, गीधराज-जटायु, सम्पाती, मंथरा इत्यादि अनेक पात्र जो इस पटकथा में शामिल हैं, धरती पर जन्म लिए। कहीं कोई असमंजस अथवा उलटफेर नहीं, भगवान शिव द्वारा देखा गया मानसिक चित्रण हूबहू धरती पर वैसे ही पात्रों ने निभाया जैसा उन्होंने समाधि में देखा और फिर माता को सुनाया। क्या इतना पढ़कर नहीं लगता कि यह कथानक वर्तमान काल के चलचित्रों की भाँति ही जगत के विशाल परदे पर कभी धरती पर घटित हुआ? विचार करके देखिये।

यह कथानक जगत में विभिन्न दृष्टिकोणों से अपनी विशेषताओं के कारण काफी प्रचलित हुआ यहाँ तक कि इसके सुनने मात्र से लोगों के दु:ख नष्ट होने लगे। और स्वयं भगवान शिव को सती की मृत्यु पश्चात् असीम विकलता से पार आने के लिए महिर्षि नारद जी ने उन्हें नील पर्वत पर जाकर काकभुसुंडि द्वारा कही जाने वाली कथा सुनने का सुझाव दिया था जिससे भगवान शिव अपनी प्रिय पत्नी के वियोग के दु:ख से छूट गए थे। काकभुसुंडि द्वारा कही कथा राम कथा थी। क्या सच है क्या नहीं मेरी बुद्धि से यह परे की चीज है। लेकिन फिर कालान्तर में माता सीता को भी लंका में रावण की कैद में रहते असीम दु:ख से इस राम कथा के सुनने से ही विरह संताप से मुक्ति मिली थी। ये कहानी तन बाबा हनुमान जी ने उन्हें एक पेड़ पर बैठ सुनाई थी जिससे माता सीता का विरह दु:ख मिट गया था। वर्तमान में भी किसी प्राणी की शव यात्रा में लोग 'राम नाम सत्य है' बोलते हुए शव को शमसान दाह संस्कार के लिए ले जाते हैं। कहने का तात्पर्य ये है कि सनतानिओं में अब राम नाम अथवा कथा पूर्ण या केवल सुन्दर कांड कथा सुनने-सुनाने का काफी प्रचलन हो गया है।

अब एक दूसरा पक्ष कि सनतानिओं के तीन भगवान यथा ब्रह्मा, विष्णु और महेश प्रमुख रूप से कहे जाते हैं। ब्रह्मा जी जीवों की उत्पति करने वाले अथवा प्राणिओ के जनक माने जाते हैं जबकि विष्णु जी पालन हार और महेश या शिव संघार/विनाश के भगवान माने जाते हैं, भगवान शिव को लोग बहुधा कल्याणकारी भगवान भी मानते हैं और इसलिए उनकी व्यापक रूप से पूजा-अर्चना होती है। भगवान ब्रह्मा जी के कार्य से कोई मतभेद नहीं है उनकी पूजा-अर्चना अलग की जा सकती है जबकि विष्णु जी और शिव जी एक-दूसरे को पूजते आराधना करते दीखते हैं। ऐसा क्यों मेरी समझ से परे है। कहते हैं भगवान शिव राम जन्म और कृष्ण जन्म के अवसर पर उनके दर्शन के लिए धरती पर आये थे। जबकि श्री राम ने लंका पर चढ़ाई के समय शिव लिंग स्थापित कर समुद्र तट पर रामेश्वरम में भगवान शिव की पूजा की थी। दोनों भगवान के मध्य कितना सामंजस्य है मैं नहीं कह सकता? इस पक्ष पर अपनी अपनी अनुभूति से लोग निष्कर्ष निकालें।

अवतार की दृष्टि से भगवान ब्रह्मा का कोई अवतार ज्ञात नहीं है। वहीं भगवान विष्णु के कई अवतार यथा राम, कृष्ण, आदि दस अवतार बताये जाते हैं लेकिन ब्रह्मा जी का कोई अवतार मुझे ज्ञात नहीं है। वहीं भगवान शिव के रूद्र रूप में बाबा हनुमान जी जगत प्रसिद्ध हैं और सर्वत्र धर्म से परे व्यापक रूप से पूजे भी जाते हैं। उनकी एक अलग विशिष्टता है जिस पर अलग से बहुत कुछ कहा और लिखा जा सकता है। लेखक आशा करता है की उपरोक्त वर्णन पाठकों को रुचिकर लगेगा।

-प्रो. वीर बहादुर सिंह,
खाद्य विज्ञ, पूर्व कुलपति,
महाराना प्रतापकृषि एवं
प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय,
उदयपुर

मेघ मल्हार की तर्ज पर रंग मल्हार में छाई इन्द्र धनुष के रंगों की छटा

''अन्तर्राष्ट्रीय रंग मल्हार-2024'' का आयोजन, वरिष्ठ, युवा एवं बाल कलाकारों ने स्वच्छता के प्रति एप्रोन पर इन्द्र धनुषी रंगों की छटा बिखेरी

भीलवाड़ा, (निसं)। स्थानीय आकृति कला संस्थान भीलवाड़ा, जिला प्रशासन भीलवाड़ा एवं एल.एन.जे. समूह के सहयोग से आयोजित ''अन्तर्राष्ट्रीय रंग मल्हार-2024'' का आयोजन रविवार को हुआ। स्थानीय ग्रामीण हाट की कला दीर्घा में शहर के 100 से अधिक वरिष्ठ, युवा एवं बाल कलाकारों ने स्वच्छता के प्रति एप्रोन पर इन्द्र धनुषी रंगों की छटा बिखेरी।

जानकारी देते हुये संस्थान के सचिव कैलाश पालिया ने बताया कि शहर के 125 वरिष्ठ, युवा एवं बाल कलाकारों ने अपनी-अपनी शैली में एप्रोन पर चित्रांकन कर भगवान इन्द्रदेव से मेघ मल्हार की तर्ज पर रंग मल्हार के माध्यम से पानी की कमी ना हो, शांति एवं सद्भाव बना रहे आदि की कामना की। प्रत्येक कलाकार ने एक से बढ़कर एक चित्रांकन किया, जिसमें भारत की लोक चित्र शैलियां, राजस्थानी संस्कृति, पर्यावरण, स्वच्छता आदि विषयों पर चित्रांकन किया। इस आयोजन में 90 वर्ष तक से लेकर सबसे कम 8 वर्ष की भूवी केसवानी व लाईशा कोठारी ने भी एप्रोन पर चित्रांकन किया। यह आयोजन भीलवाड़ा के अलावा चित्तौड़गढ़, बीकानेर, उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, अजमेर, नाथद्वारा, गुजरात, मध्यप्रदेश, मुम्बई, दिल्ली आदि शहरों के साथ-साथ 20 देशों के लगभग 4000 से अधिक कलाकार ऑनलाईन व ऑफ लाईन माध्यम से जुड़े। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी लक्ष्मीनारायण डाड, एल.एन.जे. ग्रुप के ओएसडी रंजनीश कुमार वर्मा, सुभाष नगर थाने के अतिरिक्त थानाधिकारी ओमप्रकाश, कत्थक नृत्यांगना रमा पचिसिया, डॉ. मनीष रंजन ने सभी कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस आयोजन में मुख्य रूप से गोवर्धन सिंह पंवार, मंजू मिश्रा, सत्यनारायण सोनी, गोपालदास, बालकिशन जांगिड़, इकबाल हुसैन, ज्योति पारीक, दीपिका पाराशर, सीमा सांखल, माही मूंदड़ा, खुशी कोठारी, दृष्टि जैन, तृप्ती समतानी, मितिशा अग्रवाल, कोमल रानी, अन्नु प्रजापत, राजेश जोशी, सांची माहेश्वरी, अनुष्का पाराशर, आवृती जैन, उमंग उपाध्याय, आयुष राठौड़िया, रिया छापरवाल, अंकित बैरवा, बबलु रेगर, भूमि केशवानी, सिद्धी केशवानी, हर्ष सोनी, अनवेशा सोनी, हर्षिता शर्मा, लोकेश खटीक, शांतिलाल गाडरी, हितेन्द्र शर्मा, वेदिका शुक्ला, अक्षपरी चुण्डावत, नवीन कुमार माली, लोकेश खटीक, आर्विन जायसवाल सहित 125 कलाकारों ने भाग लिया।

'अन्तर्राष्ट्रीय रंग मल्हार-2024'' में शहर के वरिष्ठ, युवा एवं बाल कलाकारों ने भाग लिया।

- चित्रांकन कर भगवान इन्द्रदेव से मेघ मल्हार की तर्ज पर रंग मल्हार के माध्यम से पानी की कमी ना हो, शांति एवं सद्भाव बना रहे आदि की कामना की

ग्राम काशीपुरा में महिला मनरेगा श्रमिकों ने बदली तस्वीर

मसूदा, (निसं.)। मनरेगा योजना ने मसूदा उपखण्ड क्षेत्र की मनरेगा श्रमिक महिलाओं ने अपनी व परिवार की काया ही पटल कर रख दी। परिवार का खर्च व बच्चों की पढ़ाई आदि का बोझ खुद उठा रही मनरेगा श्रमिक महिलाओं ने बता दिया कि वह किसी क्षेत्र में कमजोर नहीं है।

मसूदा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत देवपुरा का ग्राम काशीपुरा शहरी क्षेत्र से लगभग 25 किलोमीटर दूर पहाड़ियों में स्थित है जहां मजदूरी काम रोजगार का अभाव है। महात्मा गांधी महानरेगा योजना के अंतर्गत पिछले 5 सालों से ग्राम की मुखिया वार्डपंच सुरमा पत्नी गोपाल फौजी के कुशल नेतृत्व से हर वर्ष योजना के तहत 100 दिन का काम रोजगार मिल रहा है जिससे गांव की तस्वीर ही बदल गई है। गांव के कई परिवार रोजगार की तलाश में शहर की ओर पलायन करने से रुक गए हैं। पिछले 5 सालों से गांव में ही योजना के तहत पर्याप्त रोजगार काम मिल रहा है, जिससे अपना परिवार का खर्च पालन-पोषण करने में कोई परेशानी नहीं हो रही है।

हर वर्ष 100 दिन पूर्ण होने के साथ ही गांव में कई विकास कार्य हो रहे हैं मनरेगा श्रमिक शांति, बनी, शहनाज, संतोष, मदीना, केली, रुकमा जमना आफु, फेफी, कोया, मंजू सीता, वार्ड पंच सुरमा का इनका कहना है कि पिछले 5 सालों से हर साल 100 दिन का रोजगार मिल रहा है जिससे हमें परिवार चलाने में कोई परेशानी नहीं हो रही है। गांव में ही पर्याप्त रोजगार मिलने पर सभी नरेगा श्रमिकों ने वार्ड पंच सुरमा पत्नी गोपाल फौजी व सरपंच शमीम हैदर को धन्यवाद दिया।

ग्राम काशीपुरा में मनरेगा योजना के अंतर्गत 5 साल से हर वर्ष 100 दिन का रोजगार मिल रहा है।

- घर का खर्च उठाने, बच्चों की पढ़ाई के साथ बदला घर का माहौल

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 जुलाई, 2024

आषाढ़ मास, शुकल पक्ष, तृतीया तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र प्रात: 6:03 तक, वज्र योग रात्रि 2:06 तक, तैतिल करण सांय 5:34 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रात: 6:03 तक है। आज से मुहर्रम मु. मास है। हिजरी सन् 1446 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:25 तक, शुभ 9:07 से 10:49 तक, चर 2:14 से 3:56 तक, लाभ-अमृत 3:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। चलते व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता यथावत बनी रहेगी। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्य के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है और अतिरिक्त कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

सफेद कपोत को मुक्त कर दिया शांति का संदेश

उदयपुर, (कासं)। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को शहर के गुलाबबाग स्थित बर्ड पार्क का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण किया। साथ ही सफेद कपोत छोड़ कर शांति और सौहार्द का संदेश भी दिया।

असम के राज्यपाल कटारिया एवं सांसद डॉ मन्नालाल रावत रविवार सुबह गुलाबबाग स्थित बर्ड पार्क पहुंचे। यहां उप वन संरक्षक मुकेश सैनी,

■ **असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया बर्ड पार्क का अवलोकन**

उपवन संरक्षक (वन्यजीव) डीके तिवारी आदि ने उनका स्वागत किया। कटारिया ने बर्ड पार्क का अवलोकन किया और यहां की गतिविधियों की जानकारी ली।

इस दौरान उप वन संरक्षक डीके तिवारी और रजत भार्गव ने रेस्क्यू सेंटर के बारे में अवगत कराया और बताया कि इस रेस्क्यू सेंटर पर विभिन्न घायल पक्षियों को उपचार प्रदान किया जाता है। राज्यपाल कटारिया और सांसद रावत ने वन विभाग द्वारा किए जा रहे इस कार्य की प्रशंसा की और कहा कि इससे घायल पक्षियों को जीवनदान प्राप्त हो रहा है।

इस दौरान उप वन संरक्षक डी के तिवारी ने बर्ड पार्क के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बर्ड पार्क के मुख्य द्वार पर एक गोल्फ कॉर्ट की भी व्यवस्था की गई, जिसके माध्यम से बुजुर्गों को बर्ड पार्क का नि:शुल्क भ्रमण कराया जाएगा।

शहर के गुलाबबाग स्थित बर्ड पार्क का अवलोकन में सफेद कपोत को मुक्त करते असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया।

सार-समाचार

रथयात्रा धूमधाम से निकली

उदयपुर, (कासं)। शहर में भगवान जगन्नाथरायजी की विशाल रथयात्रा रविवार को धूमधाम के साथ निकली।मेवाड के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने शहर के प्रसिद्ध जगदीश मंदिर के पुजारियों-सेवादारों के आमंत्रण पर वेदपाठी ब्राह्मणों के दल के साथ जगदीश मंदिर पहुंचे, जहां भगवान जगन्नाथ स्वामी की विशेष पूजा-अचर्ना कर खुशहाली की कामना की। इसके बाद भगवान के विग्रह एक-एक कर रजत रथ में सवार होने के लिए विधि-विधान के साथ मंदिर से जगदीश चौक पहुंचे। जगदीश चौक में डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने भी रजत रथ में सवार भगवान जगन्नाथ स्वामी की पूजा-अर्चना कर भगवान जगन्नाथजी का रथ खींचा। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराज सिंह ने कहा कि मैं भगवान जगन्नाथ स्वामी का रथ खींचकर खुद को सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मेवाड 1500 साल से सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा व संरक्षण के लिए तत्पर रहा है और आगे भी रहेगा। भगवान जगन्नाथ स्वामी की यह विशाल रथ यात्रा युवाओं में सनातन धर्म-संस्कृति के प्रति समर्पित रहने के भी भाव जाग्रत करने का कार्य करती है।

नेहरू गार्डन का किया निरीक्षण

उदयपुर, (कासं)। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को फतहसागर झील में अवस्थित नेहरू गार्डन के जीणोद्धार व सुदृढ़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया और अब तक पूर्ण किए गए कार्य की प्रगति को देखते हुए शेष कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। राज्यपाल कटारिया आज दोपहर में शहर विधायक ताराचंद जैन, जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, यूडीए आयुक्त राहुल जैन सहित यूडीए के अधिकारियों के साथ नेहरू गार्डन पहुंचे। राज्यपाल कटारिया ने लगभग पूर्ण हो चुके सिविल वर्क व सुदृढ़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर तैयार किए गए फुटपाथ, बारादरी, स्थानीय कलाकारों के लिए तैयार किए गए एम्पी थियेटर, जहाजनुमा रेस्टोरेंट और अन्य प्रभागों को देखा और इसकी गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण दौरान अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव शर्मा और अन्य ने राज्यपाल को यूडीए द्वारा प्रस्तावित जीणोद्धार व सुदृढ़ीकरण कार्य तथा अब तक की प्रगति के बारे में जानकारी दी और बताया कि गार्डन में पानी भर जाने के कारण आवागमन में होने वाली असुविधा को देखते हुए फुटपाथ को ऊंचा किया गया है। शर्मा ने कहा कि सिविल वर्क के बाद हॉर्टीकल्चर वर्क्स को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाएगा और इस गार्डन को सितंबर अंत तक पूर्ण करने के प्रयास किए जाएंगे। निरीक्षण दौरान उपायुक्त जितेन्द्र ओझा, अधीक्षण अभियंता अनित माथुर, अधिशासी अभियंता निर्मल सुथार प्रणाम कंस्ट्रक्शन के शंकर वरदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

गणेश जी को मोदक का भोग धराया

उदयपुर, (कासं)। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इस्कोन उदयपुर द्वारा निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा में अखिल भारतीय नववर्ष समारोह समिति, आलोक संस्थान, बजरंग सेनामेवाड, भारत विकास परिशद मेवाड, एवं सर्व समाज, संगठनों द्वारा डॉ. प्रदीप कुमावत के मुख्य संयोजक में बोहरा गणेशजी चौराहें पर भगवान जगन्नाथ की भव्य श्रृंगार महाआरती की गई। महाआरती संयोजक डॉ. प्रदीप कुमावत ने बताया कि बोहरा गणेश जी चौराहें पर प्रात:काल से ही भक्तों की भीड जमा हो गई। भव्य श्रृंगार महाआरती के आयोजन में सबसे पहले भगवान गणेश जी को मोदक का भोग धराया गया। डॉ. कुमावत ने बताया कि बोहरा गणेशजी क्षेत्र में भगवान बोहरा गणेशजी और भगवान जगन्नाथ जी का मिलन ढोल नगाडो से, पुष्प वर्षा से धूमधाम से पूरे शास्त्र अनुसार धूप आरती से लेकर, कूपर आरती, घी की आरती, जल आरती के साथ पूरे अनुश्ठान को सम्पन्न करके भव्य श्रृंगार महाआरती हुई। सभी भक्तों को आरती प्रदान की गई। इस अवसर पर विषेश नियंत्रण मंच के अलावा स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार की गयी मल्टीट्रेक रिकोर्डिंग ऊँ जय जगदीश हरे..... आरती के दौरान आरती चलाई गयी जिसने एक अनुपम नजारा प्रस्तुत किया। भगवान जगन्नाथ के स्वागत में मानो आसमान से सितारे जमीन पर उतर आए हो ऐसा अद्भूत दृश्य बोहरा गणेशजी चौराहें पर था।इस अवसर पर मुख्य सयोजक डॉ प्रदीप कुमावत, इस्कॉन् के मुख्य प्रबंधक मायापुर वासी, प्रो एस एस सारंग देवोत, महंत इंद्र देव दास, देवेंद्र, अनिल, जय राज आचार्य, रमेश चौधरी, चौथमल मंगरोला, कमलेंद्र सिंह पवार, शिव सिंह सोलंकी, भूपेंद्र सिंह भाटी, रोबिन सिंह,कांता कुमावत, सत्य नारायण चौधरी, विद्या कुमावत सहित गण मान्य उपस्थित थे।

कार चोरी

उदयपुर, (कासं)।शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने गांधीनगर मल्लातलाई चौराहा हाल रेल्वे कॉलोनी निवासी सुरेश कुमार चौहान पुत्र भेरूलाल चौहान की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ 30 जून को कॉलोनी में खड़ी कार चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया।

सार-समाचार

इस्लामिक नया साल मनाया

उदयपुर, (कासं)। इस्लामिक नववर्ष हिजरी सन 1446 की शुरूआत बोहरा समुदाय ने रविवार से की। इससे पूर्व शनिवार को नए साल की खुशी में घरों में विभिन्न पकवानों से थाल सजाए गए।दाऊदी बोहरा जमात के प्रवक्ता मंसूर अली ओड़ावाला ने बताया कि माहे मुहर्रम के आगाज के साथ सैयदी खांजीपीर साहब के उर्स पर सार्वजनिक न्याज व मजलिस हुई। आगामी दस दिनों तक सुबह 11 से 2.30 बजे तक वजीहपुरा मस्जिद में हाजी मुल्ला पीर अली व रात की मजलिस में पांच दिन मुबारक हुसैन व आखिरी पांच दिन अली असगर खिलौना वाला इमाम हुसैन की याद में तकरीर पेश करेंगे। शाम को 5 से 7 बजे तक रसूलपुरा मस्जिद में समाज की महिलाओं की मजलिस होगी जिसमें मरसिया ख्वानी के अलावा तकरीरे होंगी। शाम साढ़े सात बजे से सामूहिक न्याज का आयोजन होगा। मुहर्रम को लेकर बोहरवाडी और बोहरा समुदाय के विभिन्न मौहल्लों में सबीले लगाई गई है जहां शर्बत व पानी पिलाया जाएगा।

चिकित्सक पर हमला करने वाले दो धरे

उदयपुर, (कासं)। हाथीपोल थाना पुलिस ने रेजिडेंट चिकित्सक पर चाकू से हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार 5 जुलाई को डॉ. सुरेन्द्र गुर्जर पुत्र किरोडीलाल गुर्जर निवासी तेसगांव थाना नांदोती गंगापुर सिटी हॉल इन्टर्न डाक्टर एमबी चिकित्सालय ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मैं व डॉ.अनूप यादव कार से दिलशाद भवन से वापस चिकित्सालय लौट रहा था। जहां बीच रास्ते हिम्मत बालाजी मंदिर मोड पर सामने से गलत दिशा से दो बदमाश स्कूटी लेकर आए। एतराज किया तो एक बदमाश ने चाकू से हमला कर दिया। जिससे डॉ.अनूप गंभीर घायल हो गया। इस मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। इस पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाशचन्द्र के सुपरविजन में हाथीपोल थानाधिकारी आदर्श कुमार मय टीम ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपियों को नामजद किया। इस दौरान आरोपियों के अजमेर व चित्तौडगढ की तरफ भागने की फिराक में देबारी की पहाड़ियों में छिपे होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंच कर कार्यवाही करते हुए हमलावर मोहम्मद अमान उर्फ लक्की उर्फ माया पुत्र अब्दुल फरीद निवासी अंजुमन मुखर्जी चौक छबीला भेरू गली धानमण्डी हॉल मल्लातलाई अहमद हुसैन कॉलोनी लालमगरी अंबामाता तथा मो. साहिल रजा उर्फ मुर्गा पुत्र मो. इशवाक उर्फ अशफाक निवासी कारवाड़ी हाथीपोल को गिरफ्तार किया। इस दौरान भागने का पुलिस द्वारा पीछा करने के दौरान मो. अमान भागते समय गिरने पर घायल हो गया।

हमले में युवक घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के भूपालपुरा थाना क्षेत्र में झगडा करने के दौरान बदमाश ने चाकू से हमला कर युवक को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशांत चौधरी पुत्र मोहनसिंह निवासी गोपाल नगर आगरा जोड़ कनोता जयपुर हाल कृष्णपुरा ने भुपालपुरा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 5 जुलाई रात मैं व साथी राहुल पुत्र गिरधसिंह चौधरी निवासी नंदवई भरतपुर दुकान से किराणा सामान लेकर वापस कमरे की तरफ लौट रहे थे। इस दौरान बीच रास्ते कृष्णपुरा में दो पक्ष आपस में झगडा कर रहे थे। जिनमें से एक आरोपी सूरज गमेती ने चाकू से राहुल पर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर घायल हो गया। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने पीडित को चिकित्सालय में भर्ती करवा प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। राहुल निजी क्लिनीक में लेब टेक्निशियन है तथा प्रशांत नर्सिग कर्मी है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में युवक ने आर्थिक तंगी के चलते फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर में अम्बामाता थाना क्षेत्र न्यू पोलो ठाउण्ड सहेली नगर निवासी प्रतीक पारीक (42) पुत्र सुरेश चन्द्र पारिक ने अपने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। प्रतीत रवीवार को घर पर था। इस दौरान उसने फांसी लगा ली। इसको देख पत्नी के चिल्लाने पर आए परिजनों ने उसे फंदे से निचे उतार कर चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर एएसआई शिवदत्तसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक अनुसंधन में आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या करने की जानकारी सामने आई है।

निगम गुलाबबाग में 2100 पेड़ लगाएगा

उदयपुर, (कासं)। नगर निगम द्वारा गुलाबबाग में रविवार को सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत असम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, शहर विधायक ताराचंद जैन, महापौर गोविंद सिंह टाक, रविंद्र श्रीमाली, जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, जिला पुलिस अधीक्षक गोयल, आयुक्त रामप्रकाश, उपमहापौर पारस सिंघवी द्वारा की गई।उद्यान समिति अध्यक्ष महेश त्रिवेदी ने बताया कि आज गुलाबबाग में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत के साथ गुलाब बाग में 2100 पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। आने वाले दो दिनों में यह वृक्ष लगाएं जाएंगे। ये सभी पेड़ फलदार है जिसमें से प्रमुख रूप से आम, जामुन, कीकर, अमरूद, अनार, चीकू है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि मनुष्य इस पृथ्वी पर जब जन्म लेता है तभी से पर्यावरण के संपर्क में आता है और अपनी पूरी जीवन लीला समाप्त कर मृत्यु को प्राप्त होता है तब तक यह प्रकृति और पर्यावरण उसके साथ रहता है। मानव जीवन में पर्यावरण का संतुलन हम केवल इसकी रक्षा कर कर सकते हैं। हमें पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण में महती भूमिका निभानी होगी, जितना हम पर्यावरण से ले रहे हैं यदि उसे आधा भी उसको दे दिया तो इस पृथ्वी पर फिर से हरी चादर लहरा जाएगी। पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण करना वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है।

झील प्रेमियों ने जानी झील का स्थिति

उदयपुर, (कासं)। झील प्रेमियों ने रविवार को पिछोला झील के पंच देवरिया, माँझी मंदिर, नागा नगरी, नाथी घाट कुम्हारीया तालाब इत्यादि क्षेत्रों में जाकर झील की वस्तुस्थिति जानी। झील प्रेमियों ने बताया कि जलीय खरपतवार वृद्धि से कुम्हारीया तालाब में कुछ जगह पानी का रंग हरा हो गया है। डीवीडिंग मशीन संचालित नहीं हो रही है तथा ऑक्सीजन बढ़ाने के लिए लगाया गया एक फ्लोटिंग फव्वारा बंद पड़ा है कुछ स्थानों पर सीवर झील में गिर रहा है। झील में बने एक पुराने सीवरेज होल में पैंदे की तरफ छेद हो गया है। इससे आशंका है कि जब झील भरेगी तो यहां से पानी सीवर लाइन में बह व्यर्थ होगा।झील प्रेमियों ने कहा कि सुधार के लिए प्रशासन की निरंतर व नियमित निगरानी जरूरी है। साथ हीं बरसाती पानी व्यवस्था के चेंबर में कचरा रोकने के लिए लगाई जालियों को ठीक से बनाया जाए ताकि बरसाती प्रवाह के साथ आया कचरा झील में जाने से पूरी तरह रुक सके। निरीक्षण में झील विशेषज्ञ डॉ अनिल मेहता, झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेजशंकर पालीवाल आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन टूल्स शिक्षा नीति की जागरूकता हेतु कारगर : सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ द्वारा नैप्थोन शीर्षक से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया।

कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगेवोत ने कहा कि देश का यह प्रथम नैप्थोन विद्यार्थियों और शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति की समझ को गहरा करने व जागरूकता हेतु उत्तम मंच प्रदान करेगा। यह क्विज भारत भर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित परिवर्तनकारी लक्ष्यों और दृष्टिकोण की व्यापक समझ को बढावा देना है। समग्र विकास और बहु-विषयक शिक्षा पर केंद्रित यह नीति देश के शैक्षिक परिदृश्य को नया रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि शैक्षिक नवाचार और उत्कृष्टता की प्रतीक इस प्रश्नोत्तरी में आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश आसाम, बिहार,छत्तीसगढ, गोवा,गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, उडीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडू, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, अंडमान व निकोबार, चंडीगढ, दादरा व नगर हवेली, दिल्ली, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, लक्ष्यद्वीप व पांडेचेरी से बडी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विवि की आईक्यूएसी के निदेशक डॉ. युवराज सिंह ने बताया कि इस क्विज का प्राथमिक उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में जागरूकता, नीति के कार्यान्वयन हेतु आलोचनात्मक सोच को बढावा देना और समकालीन शैक्षिक सुधारों का वातावरण निर्मित करना है। इसके अतिरिक्त, यह प्रश्नोत्तरी शैक्षणिक समुदाय के भीतर निरंतर सीखने और शैक्षिक विकास की संस्कृति को प्रोत्साहित भी करेगी। राजस्थान विद्यापीठ शिक्षा और अनुसंधान को समर्पित एक प्रमुख संस्थान है।

राजस्थान विद्यापीठ द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ऑनलाइन क्विज का आयोजन हुआ।

21 बन्दूकों की सलामी के साथ शुरू हुई रथ यात्रा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में भगवान जगदीश की भव्य शोभा यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। भव्य व अद्भुत नजारे देखने को मिल रहे है। यात्रा के दौरान जन सैलाब उमड पडा है। पूरे रास्ते पर भगवा झंडे लहरा रहे हैं और अपार श्रद्धा उमड रही है। प्रथम पूज्य गणपतिजी की आराधना के बाद रथयात्रा शुरू हुए व भगवान को 21 बंदूकों की सलामी दी गई। इसके बाद पालकी में बैठा कर भगवान को रथ में अपार जयघोष के बीच विराजित किया गया।उदयपुर के 400 साल पुराने मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा होने के बाद शहर के अलग अलग इलाकों से आई शोभायात्राओं के साथ आगे बढ रही है। भक्तजन झूमते गाते हुए यात्रा का रथ खींच रहे हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ स्वामी, माता महालक्ष्मी, दानी रायजी की श्रृंगारित मनमोहन प्रतिमाएं राजसी वस्त्र धारण किए हैं। भगवान 80 किलो चांदी चढे व शिखर पर स्वर्ण चढे रजत रथ में सवार होकर भक्तों को दर्शन दे रहे है।

सम्मान समारोह आयोजित

उदयपुर, (कासं)। मेवलिया प्रजापति समाज मेवाड चौखले की नव मनोनित कार्यकारिणी का रविवार को ग्राम पंचायत दरौली स्थित श्री यादे देवी मंदिर परिसर में शपथ ग्रहण समारोह ओर प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।मीडिया प्रभारी भगवान प्रजापत ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला प्रमुख ममता कुंवर ओर भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश के संयोजक प्रमोद सामर ने चौखला अध्यक्ष गणेशलाल प्रजापति की अध्यक्षता में नव मनोनित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।

दो दिवसीय जीतो राजस्थान जोन का कॉनक्वेल का शुभारंभ

उदयपुर, (कासं)। जीतो उदयपुर चेप्टर की मेजबानी में शनिवार को हॉली माउण्ट रिसॉट में दो दिवसीय जीतो राजस्थान जोन का कॉनक्वेल का शुभारंभ असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। जीतो उदयपुर चेप्टर अध्यक्ष विनोद फान्दोत एवं चीफ सेक्रेटरी धर्मेश नवलखा ने बताया कि मंथन में इंस्पायर टूडे एण्ड ट्रांसफर्म टूमारोष्ठ् की थीम पर जीतो राजस्थान जॉन का कॉनक्वेल कार्यक्रम में राजस्थान राज्य के 10 चेप्टरों से करीब 1500 से अधिक सदस्य इस आयोजन में शामिल हुए। संयोजक संजय भण्डारी सह संयोजक महेन्द्र तलेसरा ने बताया कि समारोह का शुभारंभ असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया जीतो एपेक्स डायरेक्टर राजकुमार फतावत, सहकारिता मंत्री गौतम दक, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, सांसद मन्नालाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, राजस्थान जोन के चेयरमैन अनिल बोहरा,जोधपुर विधायक अतुल भंसाली आदि के दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। महिला विंग अध्यक्ष विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने बताया कि जीतों मेम्बर में मेलजोल बढाने, व्यापार में अभिवृद्धि करने, सफलता के मूलमंत्र को जानने के लिए दो दिवसीय राजस्थान जोन कोन्कलेव का आयोजन किया जा रहा है। जीतो बिजनेस मीट के तहत शहर के व्यवसायी एवं राजस्थान जोन से आने वाले करीब 1500 से अधिक जीतो के प्रतिनिधि एक-दूजे से संवाद किया।

रथ को स्पर्श करने व रस्से को खींचने की लगी होड़

उदयपुर, (कासं)। गंगूकुण्ड स्थित इस्कॉन मन्दिर से रविवार प्रात: 9 बजे मन्दिर से जगन्नाथ रथयात्रा प्रारम्भ हुई।

किन्तु उम्मीद से ज्यादा भक्तो की भीड जुडने और मार्ग मे जगह जगह आरती पुष्प वर्षा से समय अधिक लगा। इससे पूर्व मायापुर वासी प्रभु के सानिध्य मे बाहर से आये ब्रह्मचारी वैष्णव तथा स्थानीय भक्तो ने हर्षोल्लास के साथ भगवान जगन्नाथ बलभद्र बहन सुभद्रा और सुदर्शन को विधि विधान से पूजा अर्चना कर मृदंग खरताल मंजीरो की मधुर ध्वनि के साथ शंखनाद कर पूर्व से सजे-धजे रथ पर विराजमान किया। भक्त गर्मजोशी से हरि बोल हरि बोल,जय जगन्नाथ के उद्घोष के साथ नृत्य करने लगे। जैसे ही रथ आगे बढा मन्दिर के आसपास के लोगो का जमावडा लग गया हर कोई आगे आकर रथ को स्पर्श करना चाहता,भगवान के रथ के रस्से को खींचने की होड लगी रही। सांवरिया गार्डन मैनरोड पर आते आते राहगीर भी अपने वाहनो को रोककर रथ को मार्ग दे रहे थे तो कुछ रूक कर रथ के पास आकर दर्शन कर रहे थे।

वृन्दावन हनुमानगढ अहमदाबाद जयपुर अलवर महाराष्ट्र आदि स्थानो से आये इस्कॉन भक्तो ने इस्कॉन पारम्परिक शैली मे जबरदस्त नृत्य किया तो उदयपुर के वैष्णव भक्त, माताऐ बहनो व स्थानीय लोगो ने भी जमकर पूरे मार्ग मे नृत्य कर आनन्द लिया।हर कोई पसीने से लथपथ होने पर भी थकने का नाम नही ले रहे।मार्ग मे जगह जगह स्वागत द्वार लगे जंहा पुष्पवर्षा कर आरता उतारी जा रही थी अनेक समाज सेवको ने मनुहार कर रोक रोक कर छाछ मिल्करोज दूध फ्रुटी आलूबडे बून्दी पेडा आइसक्रीम ,जल फल आदि परोस कर धन्य हो रहे थे। रथ के आगे हरकोई झाडू लगाने को लालायित हो रहा तो कुछ माताऐ पूरे मार्ग मे पीछे पीछे खाली दोने गिलास फरूटी छाछ के डिब्बे केले छिलके आदि उठाती रही। एसी अनुशासित रथयात्रा स्थानीय लोगो के लिए तो पहलीबार यादगार यात्रा होने से कुछ भावविभोर तो कुछ हर्षोल्लास कर रहे थे। 11बजे तक बोहरा गणेश तिराहे तक आते आते भक्तो का जमावडा बढ गया सैकडो भक्त पूर्व से ही बेसब्री से पलक पावडे बिछा 9 बजे से जगत के नाथ का इन्तजार कर रहे थे। जगन्नाथ जी और बोहरा गणेश जी के साथ इस्कॉन भक्तो का और स्थानीय भक्तो ऐसा भरत मिलाप हुआ कि पूरा आसमान जय जगन्नाथ, हरे कृष्ण हरे राम के उद्घोषो से गूंज उठा। यहाँ आलोक संस्थान के डॉ प्रदीप कुमावत के सौजन्य से अनेको संगठनो ने महाश्रृंगार आरती की। जहां से धूलकोट होती हुई रथयात्रा इस्कॉन मन्दिर पहुंची जहां स्वनिर्मित व्यंजनो का छप्पन भोग धराकर सभी भक्तो को महाप्रसाद परोसा गया।

प्रजापति युवा जागृति संस्थान की ओर से भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा का बडा बाजार में स्वागत किया और यहां पर सभी श्रद्धालुओं के लिए पिस्ता केसर की कुल्फियों का वितरण किया । मीडिया प्रभारी सुनील प्रजापत ने बताया कि युवा जागृति संस्थान के सभी कार्यकर्ता यहां उपस्थित रहे।

शहीद मेजर मुस्तफा को देश सेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा : डॉ व्यास

उदयपुर, (कासं)। मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित हुए मेजर मुस्तफा के परिवारजनों का कांग्रेस ने रविवार को उदयपुर पहुंचने पर सम्मान किया।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि 21 अक्टूबर, 2022 को मेजर मुस्तफा अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर हेलीकॉप्टर में सर्विलियंस एव रिकोनोसेंस मिशन पर थे। सुबह 10.30 बजे मिशन के दौरान हेलीकॉप्टर में भयानक आग लग गई और वह तेजी से नीचे गिरने लगा को-पायलट मेजर मुस्तफा ने अपने जीवन पर आए संकट की स्थिति में रहते हुए भी अनुकरणीय संयम बनाए रखा और एक घातक स्थिति का सामना किया। मेवाड के बहादुर बेटे ने अपनी जान की परवाह न करते हुए विमान का संचालन किया और आवासीय क्षेत्र से दूर विमान को उडाया परंतु इसी बीच उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वे देश की सेवा करते हुए शहीद हुए। मेवाड के बेटे मेजर मुस्तफा ने अतुलनीय शौर्य का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया और भारतीय सेना की उच्चतम परंपराओं के अनुरूप देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देकर देश सेवा करने के लिए मरणोपरांत मेजर मुस्तफा को शौर्य चक्र दिया गया।

सम्मान पाने के बाद उदयपुर आए मेजर मुस्तफा की माता फातिमा बोहरा एवम पिता जकीरुद्दीन बोहरा का कांग्रेस परिवार ने सम्मान किया। सम्मान कार्यक्रम में उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे ताराचंद मीणा ने कहा कि शहीद मेजर मुस्तफा ने मेवाड का नाम देश में ऊंचा किया। आज उदयपुर को उन पर गर्व है। आज पूरे देश में उदयपुर का नाम ऊंचा हुआ है। देश के लिए बलिदान देने वाले देश के सच्चे बेटे होते है और हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी ने देश की आजादी की लडाई लडी है इसीलिए कांग्रेस पार्टी को देश पर शहीद होने वाले वीर के परिवार के मनोस्थिति को समझती है। और हर समय उस परिवार के साथ खडी है।

शहीद की माताफातिमा बोहरा एवम पिता जकीरुद्दीन बोहरा ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि हम सभी को चाहिए कि हम सभी किसी भी रूप में देश की सेवा करे। चाहे वो देश की सीमा पर जाकर देश की सीमाओं को रक्षा करे या देश में रहकर देश की आगे बढाने में अपनी भूमिका देकर देश की सेवा कर सकते है। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ गिरिजा व्यास ने कहा कि शहीद मेजर मुस्तफा को देश सेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा और हम सभी को उन पर गर्व रहेगा। कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारियों ने शहीद की माता जी फातिमा बोहरा एवं पिता जकीरुद्दीन बोहरा को मेवाडी पाग, तिरंगा उपरना और शाल ओढाकर सम्मान किया।

शहीद मेजर मुस्तफा की माता फातिमा बोहरा एवं पिता जकीरुद्दीन बोहरा के सम्मान कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ गिरिजा व्यास, उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे ताराचंद मीणा, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, प्रदेश कांग्रेस महासचिव गोपाल शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव दिनेश श्रीमाली, ब्लॉक अध्यक्ष सोमेश्वर मीणा, अजय सिंह,उदयपुर देहात जिला कांग्रेस महासचिव भूपेंद्र चौहान, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित, भूषण प्रकाश श्रीमाली, शहीद मेजर मुस्तफा के परिवारजन एवम बोहरा समाज के गणमान्य परिवारजन, उदयपुर नगर निगम पार्षद हिदायतुल्लाह, पूर्व पार्षद रियाज हुसैन, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अली कोसर, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष नवल सिंह चुंडावत, विप्र फाउंडेशन के के शर्मा, बडगांव पंचायत समिति सदस्य भुवनेश व्यास, बडगांव सरपंच संजय शर्मा, समाज सेवी गणेश लाल शर्मा, मनीष श्रीमाली, अमित श्रीवास्तव तरुण भटनागर, डॉ संदीप गर्ग, पिंटू मेघवाल सहित कई पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शौर्य चक्र से सम्मानित हुए मेजर मुस्तफा के परिवारजनों का कांग्रेस की ओर से सम्मान किया।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक : F-11( )RegIn-III/2024/5825 Date: 4/07/2024

आम-सूचना

निम्नानुसार आवेदक द्वारा सारणी में वर्णित राजस्व ग्राम एवं खसरा नम्बर की भूमि का आवंटन/नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	राजस्व ग्राम	खसरा नम्बर	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	आवेदक का नाम/पिता का नाम
1.	सविना	830 से 833,843 से 856, 861 से 863	16	1800.00	श्रीमती शमा बानु पत्नी श्रीमोहम्मद हुसेन (मेवाफरोस)

अत: उपरोक्तानुसार आवेदित भूखण्डों का आवंटन/लीजडीड आवेदक के नाम करने के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति/ऐतराज होतो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद गुजरने नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

(बिन्दु बाला राजावत)
प्राधिकृत अधिकारी,
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

तारानगर में साढ़े पांच इंच बरसात होने से निचले ईलाकों में पानी भरा

कई जगह पर 6 से 10 फीट पानी भरने से रास्ते बन्द हुये, सरकारी स्कूल में भी पानी भर गया

तारानगर, (निसं)। तारानगर में शनिवार की रात्रि को हुई 141 एमएम (साढ़े पांच इंच) मूसलाधार बरसात से बस स्टैण्ड, बिसायती मोहल्ला, ख्याली मोहल्ला, खातियों का मोहल्ला सहित कई निचले ईलाकों में पानी भरने से आम जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। रविवार देर शाम तक तारानगर की सड़कों पर पानी भरा हुआ था आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

सगतानी मोहल्ला, अम्बेडकर मूर्ति से नये बस स्टैण्ड तक 6 से 10 फीट पानी भरने से रास्ता बन्द हो गया। वहीं राजकीय सीनियर हायर सैकेण्डरी स्कूल में भी पानी भर गया। मुख्य रास्ते बन्द हो गये। वहीं मोबाइल मार्केट सहित पुराने बस स्टैण्ड व नये बस स्टैण्ड स्थित दुकानों के अन्दर पानी भर गया, जिसके कारण दुकानों में रखा सामान खराब हो गया, पूरे दिन दुकानें बन्द रही। बताया जा रहा है कि बारिश का पानी दुकानों में भरने से करोड़ों रूपये का व्यापारिक रूप से तारानगर के बाजार पर असर हुआ है।

मुख्य सड़क पर पानी भरने के कारण आमजन का बस स्टैण्ड से आना जाना बन्द हो गया तो वहीं खातियों के मोहल्ला स्थित बाल मन्दिर के पास भी बरसाती पानी भरने से हालात बद्दतर हो गये। नगर पालिका प्रशासन प्रयासों के नाम पर कुछ पम्प पानी निकासी के लिये चलाये लेकिन वो उंट के मूंह में जीरा ही साबीत हो रहे हैं। ईओ अजय प्रताप सिंह, नगर पालिका तारानगर का कहना है कि तारानगर में बस स्टैण्ड डूब क्षेत्र है, पम्प चला दिये गये हैं।

तारानगर में मूसलाधार बरसात होने से बाजारों में पानी भर गया।

- बारिश का पानी दुकानों में भरने से व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा

2-3 घण्टे में पानी निकासी कर दिया जायेगा। ड्रेनेज सिस्टम के लिये केन्द्र सरकार द्वारा अमृत योजना के अन्तर्गत 20 करोड़ की डीपीआर तैयार करवाई गई है। डीपीआर स्वीकृति मिलते ही बरसाती पानी निकासी के लिये कार्य प्रारम्भ हो जायेगा।

मकान की छत गिरी, दो भाईयों की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। बारिश के कारण दो सगे भाई की मौत हो गई। इधर, टिब्बी क्षेत्र में आई तेज बारिश से सूरेवाला गांव में सड़क पर कटाव आ गया। ऐसे में सड़क पर खड़ा ट्रक पलट गया। हालांकि, गनमीत रही कि हादसे के वक्त ट्रक में कोई नहीं था। जानकारी के मुताबिक हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी क्षेत्र में रविवार अल सुबह हुई तेज बरसात के चलते खेत में बने एक कमरे की छत गिरने से बिहार मूल के दो सगे भाईयों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। सभी यहां पर खेतीहर मजदूर के तौर पर काम करने के लिए आए हुए थे। घटना की सूचना मिलने पर टिब्बी तहसीलदार चंदन पवार थाना अधिकारी जगदीश पांडर व अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घायलों को इलाज के लिए चिकित्सालय पहुंचाया। जानकारी के अनुसार चक दो जीजीआर रोही राठीखेड़ा में एक खेत पर बने कमरे में बिहार मूल के खेतीहर मजदूर रात को सो रहे थे। रविवार अल सुबह तेज बरसात के चलते कमरे की छत गिर गई जिसके चलते अमित कुमार पुत्र रामभरोसे व उसका भाई सुमित कुमार पुत्र रामभरोसे की मौत हो गई जबकि राम भरोसे, अभिषेक साहनी व भारत साहनी घायल हो गए। जिन्हें बाद में टिब्बी व हनुमानगढ़ चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है।

अनियंत्रित कार खड़े ट्रक में घुसी, पिता सहित बेटी की मौत

मृतक की पत्नी के अलावा सात घायल, अजमेर रेफर

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर होकर कबाड़ में तब्दील हो गया।

मदनगंज-किशनगढ़/अजमेर, (निस)। बांदरसिंदरी थाना अंतर्गत जयपुर हाइवे मार्ग स्थित गांव पाटन की सरहद पर रविवार को एक कार अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। घटित सड़क दुर्घटना में पिता सहित डेढ़ वर्षीय बेटी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही मृतक की पत्नी के अलावा सात जने घायल हो गये। हादसे के बाद घायलों को हाइवे एम्बुलेंस से राजकीय यज्ञनारायण जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया।

सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रेफर कर दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा चकनाचूर होकर कबाड़ में तब्दील हो गया। काफी मशकक्त के बाद इनको बाहर निकालकर स्थानीय राजकीय अस्पताल पहुंचाया।

- दो भाईयों का परिवार खाटूश्यामजी के दर्शन कर कार से अजमेर लौट रहा था

थाना इंचार्ज पारुल यादव ने बताया कि अजमेर में रहने वाले दो भाईयों का परिवार खाटूश्यामजी के दर्शन कर कार से वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान सुबह करीब सात बजे कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी, जिससे माकड़वाली यूआईटी कॉलोनी अजमेर निवासी रवि गुरनानी (35) पुत्र किशनचंद सिंधी, डेढ़ वर्षीय बेटी प्राक्षी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मृतक रवि गुरनानी की पत्नी पूनम (34), बड़ी बेटी साक्षी (9), मां पुष्पा (58), भाई पहाड़गंज अजमेर निवासी मुकेश (38) पुत्र किशनचंद, मुकेश की पत्नी भूमिका (37), बेटी रवीना (14) सहित कार चालक गांव बीर श्रीनगर अजमेर निवासी जितेन्द्र रावत (32) पुत्र गोपाल सिंह को जेएलएन अस्पताल अजमेर में भर्ती कराया है।

पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पार्षद सुशील अजमेरा, सिंधी समाज के प्रमुख समाजसेवी पीशु मुलानी, गिरधारी अमरवानी, कुमार मुलानी, अशोक शोभानी, महेश साधवानी, जीतेन्द्र कोरानी, करण मेघानी, मुकेश मेघानी ने संवेदना व्यक्त कर पुलिस कार्रवाई में सहयोग किया।

बहुचर्चित देवीराम मुल्लाका हत्याकांड के तीन और आरोपियों को दबोचा

कामां थाना इलाके में बहुचर्चित रहे देवीराम मुल्लाका हत्याकांड के तीन और आरोपियों को पकड़ा।

- तीन साल फरार 13 आरोपियों में से सात को 10 दिन में पकड़ा, 25-25 हजार के इनामी हैं आरोपी

जयपुर/डीग। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले के कामां थाना इलाके में तीन साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के तीन और आरोपियों को पकड़ लिया है। तीनों आरोपियों पर एसपी डीग द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। तीन साल से फरार चल रहे तेरह आरोपियों में से सात को पिछले 10 दिनों में एजीटीएफ ने पकड़ कामां पुलिस के सुपुर्द किया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्याप्रकाश के नेतृत्व में वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हैड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई। एडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को टीम को मिली सूचना पर एसपी डीग राजेश मीणा के समन्वय व एसएचओ कामां मनीष शर्मा मय टीम के सहयोग से 25-25 हजार के इनामी आरोपी बनवारी गुर्जर पुत्र रामपाल, रामेश्वर गुर्जर पुत्र चेतराम एवं भगत सिंह गुर्जर पुत्र नेतराम निवासी मुल्लाका को कस्बा कामां से पकड़ा गया।

एमएन ने बताया कि 11 जून 2021 की सुबह खरीदारी करने बाइक लेकर कामां के लिए निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फॉयरिंग की जिसमें तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले दम तोड़ दिया था। मामले में थाना पुलिस द्वारा पूर्व में आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया था। घटना के बाद से ही 13 आरोपी फरार चल रहे थे। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। मामले में एजीटीएफ ने 26 जून को पलवल से आरोपी राम अवतार गुर्जर एवं थाना खोह से बबलू गुर्जर को तथा 4 जुलाई को कैथवाड़ा के पास से बलराज गुर्जर व रामप्रसाद गुर्जर को डिटेन किया गया था। मात्र 10 दिनों के अंदर एजीटीएफ ने घटना में फरार सात आरोपियों को पकड़ लिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र शर्मा, हैड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका रही। कार्रवाई में एसएचओ कामां मनीष शर्मा मय टीम का सराहनीय सहयोग रहा।

पेड़ से लटका मिला शव

सीकर, (निसं)। बावड़ी के एनएच 52 पर युवक का शव पेड़ से लटका मिला है। युवक के तौलिए से फंदा लगा हुआ था और शव से बदबू आ रही थी। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। शव करीब 2 से 3 दिन पुराना बताया जा रहा है। एसआई दीप्ति रानी ने बताया कि शनिवार रात को एन एच 52 पर लावारिस स्विफ्ट कार खड़ी होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंचकर कार को थाने ले आई इसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा उसी जगह पर पेड़ पर शव लटका होने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। शव को पेड़ से नीचे उतार कर रींगस सीएचसी में रखवाया। पुलिस ने स्विफ्ट कार पर लिखे नंबरों के आधार पर शव की पहचान मृतक चूरू के राजलदेसर निवासी राकेश जाट के रूप में की। मृतक के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार राकेश अविवाहित था और कई दिनों से मानसिक तनाव में था। मृतक युवक किराए पर कार चलाने का काम करता था पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नहाने गए युवक की मचकुंड सरोवर में डूबने से मौत

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के तीर्थराज मचकुंड सरोवर में रविवार दोपहर नहाने गया एक युवक पैर फिसलने से डूब गया। युवक को सरोवर में डूबता देख मौके पर मौजूद मचकुंड चौकी इंचार्ज कृष्ण अवतार वर्दी पहने ही सरोवर में कूद गए, जिसके बाद सरोवर में डूबे युवक को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल धौलपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मचकुंड चौकी प्रभारी कृष्ण अवतार ने बताया कि रविवार दोपहर को वह चौकी पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें एक युवक मचकुंड सरोवर में डूबता हुआ दिखाई दिया, जिसे देखकर उन्होंने तीर्थराज मचकुंड में छलांग लगा दी। चौकी प्रभारी के साथ कॉन्स्टेबल योगेंद्र और 112 गाड़ी के ड्राइवर धर्मेंद्र भी सरोवर में कूद गए। युवक को सरोवर से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 19 वर्षीय अमित पुत्र राजेश निवासी भामतीपुरा के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी ने बताया कि मृतक युवक अपने दो साथियों के साथ सरोवर में नहाने गया था, जहां अचानक पैर फिसल जाने से युवक गहरे पानी में चला गया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा तहरीर दिए जाने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

मोटा मुनाफा के लालच में युवक से एक करोड़ की ठगी

- ठगों ने धोखाधड़ी कर ब्लॉक ट्रेडिंग व शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया
- युवक ने शातिर ठगों के कहने पर प्ले स्टोर से एप्लीकेशन डाउनलोड कर ली

अजमेर, (कासं)। एक ओर जहां साइबर पुलिस ऑनलाइन ठगी की वारदातों पर अंकुश लगाने का प्रशिक्षण ले रही है तो वहीं दूसरी तरफ शातिर ठग टेक्नोलॉजी का फायदा उठाकर पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रामगंज थाना क्षेत्र का सामने आया है। शातिर ठगों ने युवक से धोखाधड़ी कर ब्लॉक ट्रेडिंग व शेयर मार्केट में मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर करीब एक करोड़ की राशि हड़प ली। युवक ने शातिर ठगों के कहने पर प्ले स्टोर से एप्लीकेशन डाउनलोड कर ली। पीड़ित युवक ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगंज थाना क्षेत्र के अजय नगर निवासी एक युवक ने शातिर ठगों के खिलाफ लिखित शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित युवक ने पुलिस को बताया कि जून माह में उसके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से ए-5 मोटिलाल ओसवाल एडवाइजरी ग्रुप से जोड़ा। ग्रुप में जोड़ने के बाद ब्लॉक ट्रेडिंग व शेयर मार्केट में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा दिया गया। इस ग्रुप में करीब 160 लोग जुड़े हुए थे, जिनके द्वारा प्रॉफिट की पोस्ट शेयर की गई थी।

पीड़ित ने शिकायत में बताया कि वह शातिर ठगों की बातों में आ गया। तभी एक अज्ञात नंबर से उसे अलग से मैसेज आया जिसमें उन्होंने प्ले स्टोर से एप्लीकेशन डाउनलोड करवा कर रजिस्ट्रेशन करवाया। बाद में दूसरे व्यक्ति ने अन्य नंबर से मैसेज कर उसे कंपनी का प्रमुख बताया और आश्वासन दिया जिससे वह झांसे में आकर मुनाफा होने के लालच में आकर एप्प में एक करोड़ से अधिक की राशि ट्रांसफर कर दी। पीड़ित ने बताया कि जब एप को देखता तो देखने पर उसमें दो शेयर दिखते थे। जुलाई 2024 में उसने ऐप से रकम अपने खाते में ट्रांसफर करने की कोशिश की तो रकम नहीं निकली। उसने रिलेशनशिप मैनेजर से संपर्क किया तो उसने पैसे निकालने पर 30 प्रतिशत टैक्स व ब्रोकरेज जमा करने के लिए कहा। उसने मोटिलाल ओसवाल के कस्टमर केयर पर संपर्क कर तो पता चला कि उनके द्वारा कोई भी ऐसा ग्रुप नहीं बनाया है, तब युवक को अपने धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ित युवक की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सब इंस्पेक्टर मनीष चरण को सौंपी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शादी का झांसा देकर युवती से तीन साल तक दुराचार

- आरापी ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी
- पीड़िता ने एसपी से न्याय की गुहार लगाई, मामला दर्ज

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने युवक पर शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने एसपी देवेंद्र विश्नोई से न्याय की गुहार लगाई है। एसपी के दिशा निर्देशों पर अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाने के एएसआई शंकर लाल खींची ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने एसपी देवेंद्र बिश्नोई को ज्ञापन सौंपकर न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की शिकायत दी है। एसपी के आदेश पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर लिया। पीड़ित युवती ने आरोप लगाया कि पड़ोस में रहने वाली महिला ने एक युवक से उसकी जान-पहचान करवाई और आरोपी द्वारा शादी करने का झांसा दिया था। युवक ने झांसा देकर तीन साल तक अलग-अलग जगह पर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता ने शिकायत आरोप लगाया कि कुछ समय बाद युवक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। आरोपी ने दो माह पहले किसी अन्य युवती से सगाई की है, उसके साथ भी आरोपी ने फिजिकल संबंध बनाए हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब उसने आरोपी से शादी के लिए कहा तो उसे उसके अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस प्रकरण की जांच थाना प्रभारी श्याम सिंह कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राहुल गांधी को विदेशी महिला का बेटा बताया

झुंझुनूं, (निसं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को झुंझुनूं के दौरे पर रहे। झुंझुनूं पहुंचने पर उन्होंने शहीद स्मारक पर शहीदों को और बाबा साहेब को नमन किया। इस मौके पर मंत्री मदन दिलावर के साथ भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी तथा भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वम्भर पूनियां भी साथ रहे।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मदन दिलावर ने एक विवादास्पद और राहुल गांधी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चाणक्य ने सही कहा था कि विदेशी महिला के पेट से पैदा होने वाला व्यक्ति या बेटा कोई भी देश का भला नहीं कर सकता, बल्कि देश के खिलाफ ही कार्रवाई करेगा। चाणक्य की बात सही साबित हो रही है। राहुल गांधी एक विदेशी महिला के पुत्र हैं इसलिए वो लगातार देश के खिलाफ और देशवासियों के खिलाफ बोल रहे हैं। उन्होंने पूरे देश के लोगों को हिंसक और झूठा कहा है। यह पूरे हिंदुस्तान और हिंदूओं का अपमान है।

दिलावर ने कहा कि पता नहीं कांग्रेस किसके इशारे पर चल रही है, कौन इन्हें प्रेरणा दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी राहुल गांधी बोल चुके हैं कि हिंदू मंदिर में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। यह भी हमारी हमारी बहनों और भाईयों का अपमान है। राहुल गांधी ने हिंदू समाज का, साधु-संतों का, आने वाली हमारी जनरेशन का और हमारा घोर अपमान किया है। हिंदुस्तान की जनता इसे माफ नहीं करेगी। इस मौके पर डॉ. राजेश बाबल, मुरारी सैनी, महेश जीनगर, प्यारेलाल ढूकिया, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़, पूर्व पार्षद कुलदीप पूनियां आदि मौजूद थे।

इस मौके पर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए मदन दिलावर ने संकेत दिए कि शिक्षकों के तबादले विधानसभा सत्र के बाद होंगे। दरअसल एक सवाल का जवाब देते हुए दिलावर ने कहा कि तबादले जब भी करेंगे, मीडिया को इसकी जानकारी देंगे। लेकिन फिलहाल तो वैसे भी विधानसभा सत्र चल रहा है, ऐसे में तबादले नहीं हो सकते, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि विधानसभा सत्र के बाद सरकार शिक्षकों के तबादले कर सकती है। तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों को लेकर दिलावर ने कहा कि यह मामला

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शहीद स्मारक पर शहीदों को और बाबा साहेब को नमन किया।

- 'राहुल गांधी एक विदेशी महिला के पुत्र हैं इसलिए वो देश और देशवासियों के खिलाफ बोल रहे हैं'
- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संकेत दिए कि शिक्षकों के तबादले विधानसभा सत्र के बाद होंगे

मंत्रीमंडल के समक्ष विचाराधीन है। जैसा भी निर्णय होगा उसकी पालना करवाई जाएगी। इस मौके पर दिलावर ने कहा कि एक जनवरी से पहले के जो भी शिक्षक व शिक्षा विभाग के अन्य कर्मचारी डेप्यूटेशन पर लगे हुए हैं, उन्हें हम ढूंढ-ढूंढ कर निकाल रहे हैं। उनके डेप्यूटेशन निरस्त कर रहे हैं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूलों को मर्ज करने के सवाल पर कहा कि पिछली सरकार ने 200-200 मीटर पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए स्कूलें खोल दी। इसलिए यदि किन्हीं स्कूलों को मर्ज या डी मर्ज करने की जरूरत होगी तो वो भी सरकार करेगी। इसके लिए भी कार्रवाई चल रही है। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को बंद करने के सवाल पर मदन दिलावर ने गत सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि एक भी बेवकूफ का नाम बता दो जो बोले कि अंग्रेजी माध्यम स्कूलें खोली है। ना स्कूल खोला, ना कमरा बनाया, ना स्टाफ लगाया पुरानी स्कूलों पर अंग्रेजी माध्यम का बोर्ड लगाने से इंग्लिश मीडियम स्कूलें नहीं हो जाती। यह सिर्फ गत सरकार का षड़यंत्र था।

निजी स्कूलों की वकालत करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सरकारी स्कूलों में फिलहाल 82 लाख और निजी स्कूलों में 85 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। इसलिए निजी स्कूलों को हमेशा नकारात्मक भाव से नहीं देखना चाहिए। वे भी शिक्षा को आगे बढ़ाने में हमारा सहयोग कर रहे है। 97.3 फीसदी स्कूलें तो आज भी फीस 5 से 15 हजार रूपए के बीच ले रहे हैं। जिनसे उनका काम चल रहा है, लेकिन 2.7 फीसदी स्कूल ऐसे हैं, जहां पर फीस ज्यादा है, लेकिन उनके अपने तर्क है। हम कोशिश कर रहे हैं कि कोई बीच का रास्ता निकाला जाए, जिससे विद्यार्थियों व अभिभावकों पर बोझ ना पड़े और स्कूलें भी चलती रहे।

खान विभाग ने पहली तिमाही में ही राजस्व अर्जन का नया इतिहास रचा : आनंदी

'माइंस विभाग द्वारा अप्रेल-जून की पहली तिमाही में 13 फीसदी ग्रोथ के साथ 1977.26 करोड़ का राजस्व संग्रहण'

जयपुर, (का.सं.)। राज्य का माइंस विभाग राजस्व अर्जन में इस साल नया रेकार्ड कायम करने जा रहा है। शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम आनन्दी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत ग्रोथ के साथ राज्य सरकार को 1977 करोड़ 26 लाख रुपए का राजस्व जमा हो गया हैं। गत वित्तीय वर्ष के पहले त्रैमास में 1746 करोड़ 55 लाख रुपए का राजस्व अर्जित हुआ था। एसएमई कार्यालयों में जयपुर त्रैमासिक लक्ष्यों की तुलना में 112.37 प्रतिशत लक्ष्य अर्जित कर प्रदेश में पहले पायदान पर पहुंच गया है। भीलवाड़ा और भरतपुर एसएमई कार्यालय दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

खान सचिव आनन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्री व खान मंत्री श्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में खान विभाग द्वारा इस वित्तीय वर्ष में राजस्व अर्जन का नया रेकार्ड स्थापित किया जाएगा। सरकारी राजस्व की छीजत रोकने, राजस्व बढ़ाने के लिए विभागीय मोनेटरिंग व्यवस्था को मजबूत करने और नियमित समीक्षा के परिणाम स्वरुप उल्लेखनीय सफलता मिली है। योजनाबद्ध तरीके से मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी, अवैध खनन गतिविधियों पर कार्यवाही में तेजी, नियमित मोनेटरिंग, दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन व आपसी समझ व समन्वय से लक्ष्यों से अधिक राजस्व अर्जित किया जा सका है। रेकार्ड राजस्व अर्जन के लिए विभाग के अधिकारियों व कार्मिकों को बधाई देते हुए बताया कि टीम भावना व परस्पर समन्वय से यह रेकार्ड राजस्व संग्रहण हो सका है।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि वर्ष 2022-23 में पहली तिमाही में 1561 करोड़ 04 लाख रु., 2023-24 में 1746 करोड़ 55 लाख रु. का राजस्व अर्जित किया गया था जो वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 13 प्रतिशत विकास के साथ बढ़कर 1977 करोड़ 26 लाख रुपए हो गया है। यह पहली तिमाही में राजस्व

- **राजस्व संग्रहण में एसएमई जयपुर पहले तो भीलवाड़ा और भरतपुर दूसरे और तीसरे स्थान पर**

अर्जन का नया रेकार्ड भी है। सीमित संसाधनों के बावजूद विभाग द्वारा राजस्व बढ़ोतरी के बेहतरीन परिणाम मिले हैं।

निदेशक कलाल ने बताया कि समन्वित व समग्र प्रयासों से खान विभाग द्वारा राजस्व वसूली के प्रयासों में तेजी लाई गई है। विभाग द्वारा अवैध खनन व परिवहन गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है जिसके सकारात्मक प्रभाव आने लगे हैं।

अप्रेल से जून तिमाही में एसएमई जयपुर एनएस शक्तावत की टीम ने 203 करोड़ राजस्व वसूली के लक्ष्य के विरुद्ध 228 करोड़ 12 लाख की राजस्व वसूली कर 112.37 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। एसएमई जयपुर कार्यक्षेत्र में एएमई टोंक सोहन लाल सुथार ने 133 प्रतिशत, एमई झुन्झुनू रामलाल सिंह ने 124 प्रतिशत, एएमई कोटपुतली अमीचंद दुहारिया ने 111, एमई जयपुर श्याम कापड़ी ने 110 प्रतिशत, एएमई अलवर पुष्पेन्द्र मीणा ने 108.58 प्रतिशत व एएमई दौसा लक्ष्मी चंद मीणा ने लक्ष्यों के विरुद्ध 110 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। एसएमई भीलवाड़ा ओपी काबरा के मार्गदर्शन में भीलवाड़ा जोन में 492 करोड़ 53 लाख के लक्ष्यों के विरुद्ध 533 करोड़ 10 लाख की राजस्व वसूली कर लक्ष्यों के विरुद्ध 108 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की है। भीलवाड़ा एसएमई ओपी काबरा के कार्यक्षेत्र में एमई भीलवाड़ा चंदन कुमार व बिजोलिया एमई सत्यनारायण कुमावत ने लक्ष्यों के विरुद्ध 116 प्रतिशत से अधिक वसूली की है।

इसी तरह से राजस्व वसूली में तीसरे पायदान पर रहे एसएमई भरतपुर हरीश चन्द्र गोयल के क्षेत्र में 104.10 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। इनमें भरतपुर, करौली और धौलपुर कार्यालयों में लक्ष्यों से अधिक वसूली रही। एसएमई बीकानेर धर्मेन्द्र लुहार के क्षेत्र में 106 करोड़ 90 लाख की वसूली लक्ष्य के विरुद्ध 108 करोड़ 52 लाख की 101.52 फीसदी राजस्व वसूली रही है। बीकानेर क्षेत्र में एमई श्रीगंगानगर धीरज पंवार, एमई बीकानेर महेश प्रकाश पुरोहित और एएमई चुरु एनएल मेघवाल ने लक्ष्यों के विरुद्ध शतप्रतिशत से अधिक वसूली की है। राशि की दृष्टि से सर्वाधिक 446 करोड़ 33 लाख की एमई भीलवाड़ा व एमई राजसमंद द्वितीय ने 238 करोड़ 52 लाख की वसूली की है। जयपुर, अलवर, झुन्झुनू, टोंक, कोटपुतली, दौसा, मकराना, सिरोही, बीकानेर, श्रीगंगानगर, चुरु, उदयपुर, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा, बिजोलिया, राजसमंद द्वितीय, बूंदी प्रथम, रामगंजमण्डी, झालावाड़ बारां, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर कार्यालयों ने लक्ष्यों के विरुद्ध शतप्रतिशत से भी अधिक राजस्व अर्जित किया है।

नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी : देवनानी

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित किया।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि समाज में परिवर्तन लाने के लिए नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता, देश प्रेम एवं मूल्यों की शिक्षा देकर उनमें देश के लिए समर्पण का भाव उत्पन्न कर हम 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा कर सकेंगे। देवनानी रविवार को कोटा में विद्या भारती शिक्षा संस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप मे संबोधित कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत की ओर देख रहा है। देश सक्षम नेतृत्व के हाथों में है। हमारी युवा पीढ़ी में तेरा वैभव अमर रहे माँ की सोच पैदा करेंगे तभी हमारी शिक्षा सार्थक होगी। हमें रोजगारपरक शिक्षा देने के साथ ही संस्कारवान बनाने वाली शिक्षा देने की जरूरत है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विद्या भारती में छात्र-छात्राओं को संस्कार दिए जाते हैं और उन्हें अच्छे नागरिक बनाने का

- **देवनानी ने किया छात्र-छात्राओं का सम्मान**

प्रयास किया जाता है। आंतकवाद, जातिवाद, भाई-भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए आज विद्या भारती के संस्कार की आवश्यकता है। उन्होंने आव्हान किया कि यहां से निकले छात्र डॉक्टर-इंजीनियर बनकर गरीबों की सेवा करने का भाव रखें। स्वयं से पहले राष्ट्र व समाज के प्रति कर्तव्य निर्वहन को प्राथमिकता दें और सब कुछ देश के लिए समर्पण करने का भाव लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि विद्या भारती से जुड़े प्राचार्य एवं आचार्य नन्हें बच्चों को तराश कर उन्हें संस्कारी बनाएं। देवनानी ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को मां के साथ जोड़कर अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण को बचाने की मुहिम शुरू की गई है। इस मुहिम में सभी भागीदार बनें।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्या भारती में पढ़ने वाले विद्यार्थी यहां से ऐसे संस्कार लेकर जाएं कि वे पूरे विश्व में देश का नाम रोशन कर सकें। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षकों का ध्येय शिक्षा के साथ-साथ विशिष्टता का भाव पैदा करना है। यहां से निकले छात्र राष्ट्र सेवा के भाव के साथ विविध क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहे हैं।

समारोह में विधानसभा अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों ने विद्या भारती शिक्षा संस्थान, कोटा के तहत संचालित विभिन्न विद्यालयों में दसवीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलन कोचिंग संस्थान के कार्यकारी निदेशक नवीन माहेश्वरी ने की। इस अवसर पर डॉ. संतोष आनंद सहित विद्या भारती संस्थान से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने ललिता कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ में भाग लिया

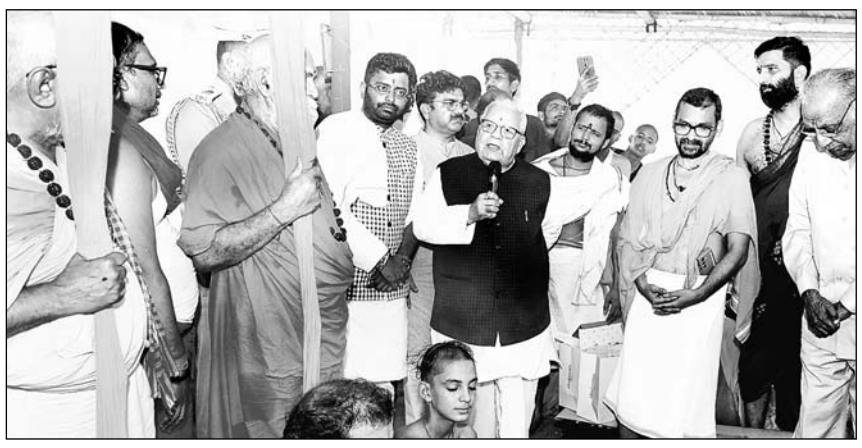

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र रविवार को इंदिरा नगर स्थित पुष्पांजलि परिसर में चल रहे ललिता कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ स्थल पहुंचे। उन्होंने देश भर से आए वैदिक विद्यार्थियों और संतों की उपस्थिति में राष्ट्र की उन्नति एवं गरीब कल्याण के ध्येय से आयोजित महायज्ञ में भाग लेते हुए यज्ञ की भारतीय संस्कृति को जीवन उत्कर्ष का आधार बताया।

उन्होंने कहा यज्ञ जीवन का आलोक पथ है। इससे तन, मन और जीवन ही सिद्ध नहीं होता मानवता का कल्याण होता है। मिश्र ने इस दौरान श्री विद्या का विशिष्ट पूजन भी किया और उपस्थित संत महात्माओं का आशीर्वाद लिया।

भारत सोलर कॉम्पोनेंट एक्सपो में 3000 करोड़ के बिजनेस ने इंडस्ट्री को दिया बूस्टर

जयपुर। राजस्थान सोलर एसोसिएशन की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में तीन दिवसीय भारत सोलर कंपनोनेंट एक्स्पो चल रहा है। एक्स्पो में लगभग 3000 करोड़ का बिजनेस हुआ, जो इंडस्ट्री के लिए बूस्टर है। सौर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए बैंकरों से बात करें विषय पर टॉक शो का आयोजन हुआ। इसमें एनर्जी मिनिस्टर हीरा लाल नागर ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लोगों से संवाद किया। लोगों ने मंत्री को इंडस्ट्री के समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सोलर इंडस्ट्री को बढ़ाने के लिए मैन्युफैक्चर्स के साथ काम किया जाएगा। टॉक शो का उद्देश्य सौर परियोजना योजना के संभावित लाभार्थियों और अग्रणी भारतीय बैंकों और एनबीएफसी के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करना रहा। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि नगर निगम सौलर सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए हर संभव मदद करने को तैयार है। हमारा लक्ष्य जयपुर को सूर्य सिटी बनाना है। इस अवसर पर आरआरसीएल के एमडी नथूमल, आरएसए के अध्यक्ष सुनील बंसल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सीईओ नितिन अग्रवाल, कलर एन डिजाइन के चेयरमैन अमित परनामी उपस्थित रहे।

राजस्थान सोलर एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील बंसल ने बताया कि एक्स्पो में सोलर उत्पादन के सभी उपकरण एक छत के नीचे प्रदर्शित किए गए हैं। एक्स्पो 8 जुलाई तक चलेगा। दूसरे दिन वीकेंड के कारण विजीटर्स की अच्छी रौनक रही। राजस्थान सोलर एसोसिएशन राज्य में सोलर इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है। प्रदेश में गर्मी ज्यादा पड़ती है और यहां बिजली की बहुत जरूरत होती है।

ओ.पी.जे.एस.यूनिवर्सिटी ने 9 साल में बांटी 1300 फर्जी डिग्रियां

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक और डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा पास करवाने की धांधली के बाद अब फर्जी डिग्री से नौकरी हथियाने के खेल का एसओजी ने पर्दाफाश किया है। चार दलालों की गिरफ्तारी के बाद एसओजी ने गहराई से जांच की, तो इसकी आंच ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के संस्थापक जोगेंद्र सिंह, पहले इसी यूनिवर्सिटी से जुड़े जितेंद्र यादव और ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार रही सरिता कढ़डवासरा तक पहुंची। इन तीनों की गिरफ्तारी के बाद अब एसओजी इस गिरोह से जुड़े दलालों के बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसने में जुटी है। साथ ही फर्जी डिग्री से नौकरी हथियाने वाले अभ्यर्थियों पर भी नकेल कसने की तैयारी है। एस.ओ.जी. ने गिरफ्तार आरोपी जोगेन्द्र सिंह, जितेन्द्र यादव और सरिता कढ़डवासरा को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 14 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया है।

एसओजी की जांच में सामने आया है कि रोहतक (हरियाणा) का रहने वाला जोगेंद्र सिंह साल 2013 से पहले मेरठ की एक निजी यूनिवर्सिटी में काम करता था। वहां भी फर्जी डिग्री बेचने के घोटाले में शामिल रहा। इसके बाद उसे मेरठ, दिल्ली और भिवानी पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, बाद में जमानत पर छूटने पर उसने चूरू के राजगढ़ में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी शुरू की, जहां से 9 साल में 1300 से ज्यादा फर्जी डिग्रियां बेचकर करीब 26 करोड़ रुपए बटोरे। अब वो बारां में एक और यूनिवर्सिटी खोलने की तैयारी में था।

फर्जी डिग्री मामले में एसओजी की गिरफ्त में आया दूसरा आरोपी जितेंद्र सिंह भी पहले ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से जुड़ा था. बाद में उसने अलवर में पार्टनरशिप में सनराइज यूनिवर्सिटी और गुजरात के पाटन में एमके यूनिवर्सिटी शुरू की. अब वो बूंदी में जीत यूनिवर्सिटी शुरू करने वाला था. इसी मामले में पकड़ी गई सरिता कडवासरा भी ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार रह चुकी है. इस यूनिवर्सिटी का हिसाब-किताब भी वही संभालती है। एसओजी की पडताल में सामने आया है कि अकेली पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में ओपीजेएस यूनिवर्सिटी की डिग्री वाले 80 से ज्यादा अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनकी जानकारी संबंधित विभाग को दी गई है। इसके अलावा भी कई अन्य भर्तियों में फर्जी डिग्री से नौकरी हासिल करने वालों पर एसओजी शिकंजा कसने की तैयारी में है।

चार चिकित्सा अधिकारियों को नोटिस

- **एसएमएस प्लाज्मा प्रकरण में सरकार ने लिया सख्त एक्शन**
- **6 कार्मिकों पर कार्रवाई के लिए लिखा पत्र**
- **इन अधिकारियों को प्लाज्मा के रख-रखाव में लापरवाही, अनियमितता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए नोटिस जारी किया गया है।**

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल के ब्लड बैंक में प्लाज्मा खराब होने के प्रकरण में जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार ने 4 चिकित्सा अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही जांच में दोषी 6 अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-2 एवं 3 को पत्र लिखा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रकरण को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गंभीरता से लेते हुए जांच करवाने एवं दोषी अधिकारी-कार्मिकों पर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। प्रकरण में गठित जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा, पूर्व अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा, आचार्य आईएचटीएम डॉ. प्रमेन्द्र पचौरी एवं ट्रोमा सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग धाकड़ को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है। इन अधिकारियों को प्लाज्मा के रख-रखाव में लापरवाही, अनियमितता एवं पर्यवेक्षणीय लापरवाही के लिए दोषी मानते हुए नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार प्रकरण में अनुमोदित चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश चंद्र गोयल एवं डॉ. अखिलेश कुमार को दोषी मानते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-2 को नियमानुसार कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, अनुमोदित टेक्नीकल सुपरवाइजर प्रभु सिंह मण्डीवाल व अमित भारद्वाज तथा अनुमोदित टेक्नीशियन राजकुमार जैन एवं कृष्ण गोपाल अग्रवाल पर कार्रवाई के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ग्रुप-3 को पत्र लिखकर निर्देश दिए गए हैं।

बृहस्पति धाम मंदिर का पाटोत्सव संपन्न

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर में बृहस्पति धाम मंदिर का पाटोत्सव का कार्यक्रम 7 जुलाई को सुबह 11 बजे डालडा फैक्ट्री ओवर ब्रिज के आगे महारानी फार्म हाउस रोड पर स्थित बृहस्पति धाम मंदिर में प्रांगण में शुरू हुआ। पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बाबूलाल शर्मा ने बताया की हर साल आयोजित होने वाले इस आयोजन में विशाल संख्या में भक्तजन परिवार के साथ पधारे और बृहस्पति देव महाराज का दूध एवं जल से अभिषेक मंदिर के महंत नरेंद्र शर्मा के द्वारा किया गया अभिषेक के बाद भक्तों को प्रसादी बैठकर कराई गई।

दामाद ने ससुराल में की चोरी

जयपुर । गलता गेट थाना इलाके में ऑनलाइन गेमिंग के शौक में नुकसान लगने पर एक युवक ने अपने ससुराल में ही चोरी की वारदात कर डाली। पुलिस ने चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार चोरी के मामले में आरोपी आशीष माथुर (31) निवासी श्रीशिव नगर जयसिंहपुरा खोर हाल गोविन्द नगर पूर्व ब्रह्मपुरी को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में बास-बदनपुरा गलतागेट निवासी रुकमणी देवी ने 2 जुलाई को गलातगेट थाने में मामला दर्ज करवाया था।

तीन युवकों का अपहरण कर 5-5 लाख रु. मांगे, दो आरोपी गिरफ्तार

रामनगरिया पुलिस ने फिरौती के लिए 3 युवकों का अपहरण करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर । रामनगरिया थाना पुलिस ने फिरौती के लिए तीन युवकों का अपहरण करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर तीनों अपहृत युवकों को छुडवा लिया। आरोपियों ने फिरौती के लिए अपहरण किया था और उनके दोस्त से 5-5 लाख रुपयों की मांग की थी। पुलिस ने उनके कब्जे से पिस्तौल बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार रात ग्यारह बजे कार सवार हथियारबंद बदमाशों ने लोटस विला के मेन गेट के पास से तीन कॉलेज स्टूडेंट तरुण, हर्ष, हिमांशु का अपहरण किया और उनके साथ जमकर मारपीट भी की। इसके बाद पांच-पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और शहर में नाकाबंदी करवाई। पुलिस जांच में सामने आया है कि रात करीब 10.45 बजे अर्टिगा कार में बैठकर तरुण, हर्ष, हिमांशु और यश जगतपुरा की ओर जा रहे थे। करीब 15 मिनट बाद बदमाशों ने उन्हें रोका था। दो कारों में आए 7-8 बदमाश लाठी-डंडों से लैस थे। स्विफ्ट और अमेज कार में आए बदमाशों के नीचे उतरते ही यश गाड़ी छोड़कर भाग निकला। बदमाशों ने बाकी तीनों को अपहरण कर लिया। तीनों युवक प्राइवेट कॉलेज के स्टूडेंट हैं। बदमाश युवकों की कार को साथ ले गए, लेकिन वे कार को मालवीय नगर के डी-मार्ट के पास छोड़ गए। बदमाश तीनों युवकों को अपहरण कर जयपुर से सत्तर किलोमीटर दूर चाकसू के नैनवा गांव में ले गए। यहां तीनों को अपने-अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को कॉल कर पांच-पांच लाख रुपए की फिरौती मंगवाने के लिए कहा। इस दौरान पुलिस टीम ने तीनों युवकों की मोबाइल लोकेशन ट्रेस की। लोकेशन के आधार पर पुलिस करीब 70 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा करते हुए नैनवा पहुंच गई। पुलिस को देखकर अपहरणकर्ता भाग निकले, पुलिस ने पीछा कर ऋषभ चौधरी निवासी चाकसू और विक्रम सिंह निवासी केकडी को पकड़ लिया। पुलिस ने अपहृत तीनों युवकों को भी सकुशल छुड़वाया।

'संस्कृत पढ़कर छात्र भी बनेगा आई.ए.एस.'

जयपुर। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेडी के नवीन नवाचार पाठ्यक्रम के क्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत की पढ़ाई के साथ सिविल सर्विस की तैयारी भी कराई जाएगी। यह भारत का पहला विश्वविद्यालय होगा जो संस्कृत में पढ़ाई के साथ-साथ सिविल सर्विस की तैयारी कराएगा। इसके लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अभी तक सिर्फ दो कैंपस यानी की जयपुर एवं लखनऊ में बीए ऑनर्स इन संस्कृत एंड सिविल सर्विस स्टडीज (बीए एससीएस) कोर्स तैयार किया है।

जयपुर परिसर के निदेशक प्रो सुदेश कुमार शर्मा ने कहा कि संस्कृत क्षेत्र में यह एक नया अवसर है।

वृक्षारोपण 10 को

जयपुर, (का.सं.)। बसवा स्थित नसियांजी में 10 जुलाई को वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित होगा। यह कार्यक्रम भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण वर्ष के उपलक्ष्य में उनकी शिक्षाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया गया है। वृक्षारोपण शीतल कटारिया जयपुर एवं महावीर इंटरनेशनल जयपुर के सदस्यों के सानिध्य में किया जाएगा।

हर घर को प्लास्टिक कैरी बैग्स से मुक्त करने का लक्ष्य हासिल करेंगे : एन.विजय

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पूरे राज्य को प्रदूषण मुक्त करने एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग से मुक्त करने के लिए राज्य भर में प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एक ओर जहाँ वृहद स्तर पर विभिन्न विभागों,

- **'प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य के लिए संकल्पित राज्य सरकार'**

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने कपड़े के थैले बाँटकर प्लास्टिक कैरी बैग्स का उपयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई।

स्वयंसेवी संस्थाओं एवं निजी संस्थाओं के सहयोग से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। वही हर घर को प्लास्टिक केरी बैग्स से मुक्त करने के लिए मंडल के अधिकारियों द्वारा घर- घर जाकर न केवल सिंगल यूज़ प्लास्टिक के वस्तुएं उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है बल्कि कपड़े के थैले बाँटकर प्लास्टिक कैरी बैग्स का का उपयोग नहीं करने की भी शपथ दिलवाई जा रही है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव एन विजय ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदूषण मुक्त राज्य की संकल्पना को साकार करने के क्रम में राज्य अग्रसर है और सिंगल यूज प्लास्टिक एवं प्लास्टिक कैरी बैग्स का उपयोग न के बराबर हो इसके लिए सार्थक प्रयास धरातल स्तर पर किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि कार्यालय कार्यों, नियम- कायदे बनाने के साथ उन्हें समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना हमारा मौलिक जिम्मेदारी है जिसके तहत मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी घर- घर तक इस मुहीम को लेकर जा रहे है और कपड़े के थैलों का वितरण कर प्लास्टिक कैरी बैग्स उपयोग नहीं करने के लिए शपथ दिलवा रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की प्रदूषण एवं प्लास्टिक मुक्त राज्य की व्यापक एवं दूरगामी सोच को साकार करने के हर स्तर पर हर संभव प्रयास किये जा रहे है।

सदस्य सचिव ने कहा कि मंडल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर कपड़े के थैले वितरित करने की इस मुहिम का एक ही उद्देश्य है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक के हाथ में प्लास्टिक कैरी बैग की जगह कपड़े का थैला दिखाई दे वही व्यापारिक संस्थानों एवं दुकानों पर भी कपड़े के थैले ही उपयोग में लिए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जायेगा कि मंडल की यह मुहिम तब तक जारी रहे जब तक प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में कपड़े का थैला नहीं आ जाता।

इस दौरान अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी नेहा अग्रवाल के नेतृत्व में जगतपुरा स्थित रिहायशी सोसाइटी में कपड़े के थैलों का वितरण किया गया साथ ही प्लास्टिक कैरी बैग्स उपयोग नहीं करने, कचरे का समुचित प्रबंधन करने एवं पर्यावरण संरक्षण करने की शपथ दिलवाई गई। इस दौरान मौजूद सोसायटी के वरिष्ठ सदस्यों ने मंडल द्वारा चलायी जा रही मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि अन्य लोगों तक मंडल के प्रदूषण मुक्त राज्य के सन्देश को प्राथमिकता से पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

सार-समाचार

10 हजार का इनामी तस्कर पकड़ा

जयपुर/चित्तौड़गढ़, (कासं)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी में चित्तौड़गढ़ जिले के थाना मंगलवाड में करीब 2 साल से वांछित 10 हजार के इनामी तस्कर प्रकाश सहारण पुत्र दयाराम निवासी बूढे का ताला भलीसर थाना धोरीमन्ना को थाना शिव बाड़मेर क्षेत्र के फलसूंड तिराहे से डिटेन कर लिया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध श्री दिनेश एमएन ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ श्री विद्या प्रकाश के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल महेश सोमरा, नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, राकेश जाखड़, महावीर सिंह शेखावत, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार को वांछित अपराधियों व गैंगस्टर इत्यादि के बारे में आसूचना संकलन के लिए उदयपुर व जोधपुर रेंज रवाना किया गया था। एडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को टीम के सदस्य हैड कांस्टेबल महेश सोमरा व महावीर सिंह शेखावत को इनामी आरोपी प्रकाश सहारण के बारे में सूचना मिली थी। इस पर टीम द्वारा सूचना को विकसित कर थाना शिव पुलिस के सहयोग से आरोपी को डिटेन किया गया। इसके बारे में चित्तौड़गढ़ जिले की मंगलवाड थाना पुलिस को सूचित कर दिया गया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी बाड़मेर जिले में एनडीपीएस व आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हुए हैं। चित्तौड़गढ़ एसपी द्वारा एनडीपीएस एक्ट के मामले में इस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा है। एजीटीएफ के इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल महेश सोमरा व महावीर सिंह शेखावत की विशेष भूमिका तथा नरेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, राकेश जाखड़, कांस्टेबल नरेश कुमार व सुरेश कुमार की तकनीकी भूमिका रही। कार्रवाई में एसएचओ शिव सुमेर सिंह व कांस्टेबल नीम सिंह का भी सराहनीय योगदान रहा।

छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड किया

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के रोहनवाड़ा गांव में दसवीं क्लास के स्टूडेंट फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। अहमदाबाद में मजदूरी कर रहे पिता के लौटने के बाद रविवार को पोस्टमॉर्टम करवाया गया। सदर थाना एएसआई राजकुमार ने बताया कि पिया बाबूलाल पलात की ओर से रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। इसमें बताया कि वह गुजरात के अहमदाबाद में मजदूरी करता है। घर पर पत्नी और 2 बेटे रहते हैं। छोटा बेटा संतोष पलात (13) ने इस बार नवीं कक्षा पास करने के बाद दसवीं कक्षा में एडमिशन लिया है। शनिवार शाम के समय संतोष ने घर के पीछे ही एक पेड़ से रस्सी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। आसपास के लोगो ने उसे फंदे पर लटका देखकर उसके परिवार के लोगो को सूचना दी। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को डूंगरपुर अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

दो बच्चों के पिता ने सुसाइड किया

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के भंडारिया निचला फला में एक व्यक्ति ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना के वक्त पत्नी खेतों में काम कर रही थी। बच्ची के चिल्लाने पर मां दौड़कर आई, लेकिन पति की जान नहीं बचा सकी। कोतवाली थाना एएसआई विपिन जोशी ने बताया कि शंकर बरंडा आवासी भंडारिया निचला फला ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई मणिलाल बरंडा (45) घर पर अकेला था। पत्नी कल्पना घर से कुछ दूर खेतों में काम कर रही थी। बेटी और एक बेटा घर के बाहर ही खेल रहे थे। उसी समय मणिलाल घर में लकड़ी की बल्ली से साड़ी का फंदा लगाकर लटक गया। उसी समय बेटी खेलते हुए घर में गई। पिता को फंदे पर लटका देखकर चिल्लाई। जिस पर खेतों में काम कर रही पत्नी दौड़कर आई और फंदे पर लटके पति की साड़ी काटकर नीचे उतारा। मणिलाल को गंभीर हालत में डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। इलाज के दौरान मणिलाल की मौत हो गई। इसके बाद कोतवाली थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है।

जगन्नाथ रथ यात्रा का स्वागत

उदयपुर, (कासं)। मीडिया प्रभारी सुनील प्रजापत ने बताया कि प्रजापति युवा जागृति संस्थान की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान उनका स्वागत बडा बाजार में भव्य स्वागत किया। श्रद्धालुओं के लिए पिस्ता केसर की कुल्फियों का वितरण किया गया कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया युवा जागृति संस्थान के सभी कार्यकर्ता यहां उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प मालाओं एवं गुलाब की पंखुडियां से भगवान श्रीनाथ भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी का भव्य स्वागत किया और बडे हर्षोल्लाह से आनंद उमंग के साथ इस उत्सव को प्रतिवर्ष की भांति संपन्न किया गया संस्थान के अध्यक्ष रामलाल, सचिव राजेश, कोषाध्यक्ष मदन,समाज के अध्यक्ष प्रकाश, औंकार लाल, कैलाश, भेरू लाल, संजय,अशोक रमेश, बाबूलाल, मांगीलाल, नारायण, जगदीश, जयंत, सुभाष नारायण, प्रवीण भरत, शंकर सत्यनारायण आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ट्रोले की टक्कर से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। आसपुर थाना क्षेत्र में उदयपुर - बांसवाडा मार्ग पर रात करीब 11 बजे एक ट्रोले ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायकी निवासी भवानी सिंह (40) पुत्र नाथू सिंह तंवर जो रायकी के एक निजी विद्यालय में कार्यरत था। जो रात करीब 11 बजे स्कूल से अपने घर जा रहा था कि बांसवाडा की तरफ से आ रहे एक ट्रोले ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार घायल हो गया। वही, घटना के बाद ट्रक चालक ट्रोले को मौके पर छोडक़र फरार हो गया वही बाइक के पीछे पीछे चल रह निजी स्कूल के प्रिंसिपल ने अपने कार्मिक को अपनी गाड़ी से आसपुर के सीएचसी पहुंचाया।

'दो साल में बिजली खरीदने वाला नहीं, बेचने वाला प्रदेश बनेगा'

कपासन, (निसं)। कपासन में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। यहां भाजपा की ओर से एसआर वाटिका कपासन में विधानसभा स्तरीय समारोह में स्वागत अभिनंदन किया और मतदाताओं का आभार जताया गया। इस दौरान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि मतदाताओं ने पीएम मोदी पर विश्वास कर तीसरी बार जिताया और उन्हें भी आशीर्वाद देकर तीसरी बार सांसद चुना। साथ ही इसके लिए मतदाताओं का आभार जताया।

साथ ही कहा कि अब प्रदेश में

■ 'डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में कपासन विधानसभा में विकास का एक इतिहास बनेगा'

डबल इंजन की सरकार हैं। इस डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में कपासन विधानसभा में विकास का एक इतिहास बनेगा। यहां क्षेत्र में पानी की समस्या है और विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने पानी नहीं आने तक पगड़ी नहीं पहने प्रण ले रखा है। अब फीडर संबंधी जो भी काम है, उसे पूरा किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने प्रदेश में बिजली समस्या को लेकर कहा कि गहलोत सरकार बिजली खरीद कर देती थी। जितनी मेघा वाट खरीदी उससे अधिक देनी पड़ी, लेकिन अब हमारी सरकार प्रदेश को अगले दो साल में बिजली खरीदने वाला नहीं बिजली बेचने वाला प्रदेश बना देगी। समारोह में विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के आठ मंडलों सभी मोर्चा मंडलों, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, विद्यार्थी परिषद, सरपंच संघ आदि की ओर से सांसद जोशी का अभिनंदन किया गया। युवा मोर्चा ने तलवार और तीर कमान भेंट कर अभिनंदन किया। सांसद जोशी के कपासन पहुंचने पर दो जेसीबी से फूल बरसा कर उनका स्वागत किया। सांसद जोशी ई-मोपेड पर विधायक जीनगर के साथ सवार होकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे।

कपासन में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और सांसद सीपी जोशी का सम्मान किया।

बालिकाओं ने पौधे लगाए

भीम, (निसं)।उपखंड मुख्यालय के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की 613 लड़कियों ने शृंखलाबद्ध तरीके से 1010 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्रधानाचार्य मोहनसिंह चौहान ने एक शिशम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरुआत की।बालिकाओं ने पेड़ के रूप श्रृंखला बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

महाकाल झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

भीण्डर, (निसं)।। भीण्डर के प्रसिद्ध श्रीधर भगवान की रथयात्रा रविवार को धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान ठाकुरजी रथ में बिराज करके नगर भ्रमण किया तो वहीं महाकाल झांकी आकर्षण का केन्द्र रही।

रथयात्रा का नगर के विभिन्न जगहों पर भव्य स्वागत किया गया तो लोगों ने पुष्पवर्षा व आरती करके ठाकुरजी का स्वागत किया। रामपोल बस स्टेण्ड पर युवाओं ने मार्ग को सजा करके रथ का पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत किया। रथयात्रा की शुरूआत भीण्डर राजपरिवार व पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर, मन्दिर सेवा प्रन्यास अध्यक्ष कुबेरसिंह चावडा सहित पदाधिकारियों ने भगवान को मन्दिर से बेवाण में बिराजमान करके रथ तक लाएं। यहां से पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर सहित अन्य ने रथ खींच करके रथयात्रा शुरू की।

इस दौरान वल्लभनगर पूर्व विधायक प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत ने भी कार्यकर्ताओं के साथ भगवान का पुष्पवर्षा से स्वागत किया।

दोपहर करीब 2.3० बजे मन्दिर से शुरू हुई रथयात्रा में राजशाही ठाठ-बाठ में सबसे आगे ऊंट, पांच अश्व, भारत माता की झांगी, बगियों में राम-हनुमान, राधा-कृष्ण सहित विभिन्न झांकियां सुशोभित थी, इनके पीछे डीजे पर महाकाल झांकी टीम और सैकडों श्रद्धालु नाचते-गाते चल रहे थे।

जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक का धरना चौथे दिन भी रहा जारी

राजसमंद, (निसं)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य देवकीनंदन गुर्जर ने कहा कि कारखाने मजदूरों के दम पर चलते हैं। ऐसे में प्रबंधन को मजदूरों के हकों का पूरा ध्यान रखना चाहिए न कि सत्ता के आगे झुकना चाहिए। वें जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक की ओर से रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित इंटक कार्यालय पर रविवार को यूनियन के धरने के चौथे दिन आयोजित सभा में विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जेके टायर फैक्ट्री में गैर मान्यता प्राप्त संगठन भामसं और राज्य सरकार के दबाव में प्रबंधन मजदूरों के हक के विरुद्ध काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वें मजदूर के साथ खडे हैं और उनके हक के लिए बराबर संघर्ष में साथ देंगे। जब तक कि फैक्ट्री प्रबंधन, प्रशासन और सरकार मजदूरों को उनका हक, फैक्ट्री में सुरक्षा आदि उपलब्ध नहीं करवाते। जेके टायर एम्पलाइज यूनियन इंटक के अध्यक्ष चुन्नीलाल पंचोली ने कहा कि फैक्ट्री में गिनती के मजदूर काम कर रहे हैं लेकिन प्रबंधन फैक्ट्री में मान्यता प्राप्त संगठन इंटक से मजदूरों के हक पर बात करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन फैक्ट्री में सेवानिवृत्ति कार्मिकों को बुलवाकर उनसे काम करवाते हुए फैक्ट्री को चलाना चाहता है जो संभव नहीं है। साथ ही इस तरह मजदूरों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन इंटक के पास फैक्ट्री में पर्याप्त बहुमत है और फैक्ट्री चलाने के लिए प्रबंधन को मजदूरों को उनका हक हर हाल में देना पडेगा। इस दौरान गोवर्धन कुमावत, कुलदीप सिंह, देवीलाल कुमावत, लालसिंह, भेरूसिंह राव, नाहरसिंह, हंसराज, देवीसिंह, देवीलाल पालीवाल, ऊगराज पालीवाल, हिम्मतसिंह, पूरण कुमावत, गणेश गुर्जर, भंवरसिंह सहित सैकडों श्रमिक मौजूद थे।आंदोलन के तहत सोमवार को सुबह 9 बजे इंटक कार्यालय से वाहन रैली निकाली जाएगी।

इंटक कार्यालय पर आयोजित सभा में श्रमिकों को सम्बोधितकरते जेके टायर एम्पलाइज यूनियनइंटक के अध्यक्ष चुन्नीलाल पंचोली।

सार-समाचार

चांद रात पर जनसैलाब उमड़ा

कपासन, (निसं)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर ईस्लामी नये साल की चाँद रात पर जन सैलाब उमड़ा। बाबा हुजूर के 83 वें उर्स का अलम शरीफ (झण्डा) 25 मोहरर्म, एक अगस्त गुरूवार को चढ़ाया जायेगा।दरगाह वक्फ कमेटी के सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खाँ अशरफी के अनुसार ईस्लामी नये साल 1446 हिजरी, मोहरर्म की चाँद पर रविवार को बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचे। आस्ताना ऐ आलिया के मुख्य मज़ार पर चादर, फूल, ईत्र, अगरबत्ती पेश करने के लिये लम्बी-लम्बी कतारें लगी रही। दरगाह शरीफ स्थित फूल की दूकानों, मैला गाउण्ड में खरीदारों का जमावड़ा लगा रहा। अहाता ऐ नूर में महफिले मीलाद पाक पढने वालो ने हम्द नात, मनकबत पेश कर सलातो सलाम पढ़कर फातिहा ख्वानी की। वही बारी-बारी से कव्वाल हज़रात ने कलाम पेश कर दाद बटोरी। बाबा हुजूर का 83 वां उर्स 6 सफर से 8 सफर इंशा अल्लाह 12 अगस्त से शुरू होकर 14 अगस्त को जोहर की अज़ान से पहले कुल की फातिहा के साथ सम्पन्न होगा।

कार का कांच फोड़, चार गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)।कोतवाली थाना पुलिस ने 4 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। चारों ने एक गाड़ी पर पथराव कर उसके कांच फोड दिए थें। दो कार के बीच टक्कर के बाद ये वारदात हुई थी। कोतवाली थानाधिकारी भगवानलाल ने बताया कि जिया पुत्री नरेश लोहार निवासी आदर्श नगर डूंगरपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें बताया की 29 मई को उसकी बहन विधि लोहार दो लोगों के साथ कार लेकर शास्त्री कॉलोनी से आदर्श नगर को तरफ जा रहे थी। इस दौरान पीछे से आ रही एक कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इस बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीडित ने नंबर प्लेट के आधार पर आरोपियों का पीछा किया। स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पास पहुंचते ही बदमाशों ने उनकी कार पर पथराव कर दिया। जिससे कार का कांच फूट गया। पुलिस ने केस दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पथराव के आरोप में गौरव पुत्र सुरेशचंद्र रोत मीणा, निवासी नया गांव सुराता, कर्मन्य पुत्र हेमंत शर्मा निवासी जयहिंद नगर डूंगरपुर, शैलेश पुत्र उदाजी आमलिया निवासी जुड़ा रेटा ओर यशवंत पुत्र गौतमलाल परमार मीणा निवासी गोकुलपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

शांति भंग में सात गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)।कसारवाडी थाना पुलिस ने शांति भंग करने के आरोप में सात जनों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी नरेन्द्र सिंह ने बताया कि 5 जुलाई को विनोद पुत्र कालिया गरासिया निवासी सरसियापाडा ने थाने में रिपोर्ट दी कि कालु पुत्र कसन निवासी कडाईमाल आदि कालू की पुत्री के घर से चले जाने की बात को लेकर शक करते हुए 2० जून को मारपीट व गाली-गलौच की जिस पर उसने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही थी इसके बावजूद कालू अपने साथियों के साथ 6 जुलाई को प्रार्थी के साथ गाली-गलौच कर जान-माल की धमकियां दे रहा है। जिस पर पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और शांति भंग करने के आरोप में 7 जनों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी नरेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी कालू ने अपनी पुत्री के चले जाने के संबंध में थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है।

खेत में आया 8 फीट लम्बा अजगर

राजसमंद, (निसं)। जिले में नाथद्वारा तहसील के उलपुरा गांव निवासी शंकर गायरी के खेत में 8 फीट लम्बा अजगर आ गया। जिसको रेस्क्यू कर पुन: जंगल में छोडा गया। जानकारी के अनुसार चम्पाबाई जब खेत में बाजरा काट रही थी तब उनकी नजर अजगर पर पडी। इस पर शोर मचाने से काफी लोग एकत्रित हो गए।ग्रामीणों ने इसकी सूचना पीपरडा के वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत को दी। सूचना पर गहलोत अपनी टीम के सदस्य विकास खान्देला, अनिल गहलोत, दुर्गेश कुमावत, यशवंत गहलोत, राजेश सालवी और चीकू के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर जा कर देखा कि अजगर बाजरे में छिप कर बैठा था। इस पर टीम ने कडी मशक्कत से अजगर को रेस्क्यू कर बोरी में बंद कर वनविभाग के वनरक्षक किशन गायरी को सूचित कर पुन: जंगल में छोडा।

मेले का शुभारंभ

भीम, (निसं)। कस्बे के पाटिया खेल मैदान में राजस्थान शॉपिंग फेस्टिवल मेले का शुभारंभ हुआ। राजस्थान शॉपिंग फेस्टिवल मेला व्यवस्थापक राजकुमार शर्मा ने बताया कि राजस्थान के सभी जिलों व कस्बों सहित नगर पालिकाओं में राजस्थान शॉपिंग फेस्टिवल मेले का आयोजन किया जाता है। भीम कस्बे के पाटिया खेल मैदान में घरेलू उपयोगी सामान व खाने-पीने की स्टाल कपडे जूते खिलौने इत्यादि व बच्चों के लिए झूले आदि लगाए गए और सरकार की गाइडलाइन के पालना अनुसार सुरक्षा की दृष्टि से राजस्थान शॉपिंग फेस्टिवल स्थल पर जगह जगह सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा गार्ड पीने के पानी की व्यवस्था सहित यातायात के लिए सुरक्षा गार्ड उपलब्ध रहेंगे।

'रोटी बैंक द्वारा दिव्यांग और निराश्रित को भोजन पैकेट उपलब्ध कराएंगे

डूंगरपुर, (निसं)। नगर परिषद डूंगरपुर के तत्कालीन सभापति केके गुप्ता द्वारा 18 सितंबर 2018 को जरूरतमंद व्यक्तियों को निशुल्क भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई रोटी बैंक की नवगठित कार्यकारिणी की बैठक रविवार को स्थानीय शिव पैलेस होटल में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पुनाराम गोधारा, अध्यक्षता केके गुप्ता ने की, विशिष्ठ अतिथि एडीएम कुलराज मीणा, समाजसेवी बंसीलाल कटारा, ट्रस्टी प्रेम कुमार पाटीदार, ट्रस्टी डॉ अनिल बनवीर और रोटी बैंक के अध्यक्ष व ट्रस्टी रमेश वरियानी मंचासिन रहे। बैठक में केके गुप्ता ने अपने उद्बोधन कहा कि गरीबों के लिए ना हीरा चाहिए, ना मोती चाहिए, सिर्फ जरूरतमंद को दो वक्त की रोटी चाहिए। इस बात को सार्थक करने रोटी बैंक की स्थापना 68 ट्रस्टी सदस्यो के सहयोग से की जो आज एक वट वृक्ष बन चुका है। डूंगरपुर की जनता का और इस बैंक कें ट्रस्टी में कर्जा नही उतार सकता। गुप्ता ने बैंक के संचालन करता प्रेमांशु पंड्या, महेश जैन, बंसीलाल कटारा और विनोद श्रीमाली की सराहना करते उन्हें साधुवाद दिया।उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी हूं डूंगरपुर की बदौलत हूं। मुझे देश-विदेश में जो मान सम्मान प्राप्त हो रहा है, यह डूंगरपुर की जनता के असीम स्नेह की बदौलत है, जिसका मैं आजीवन ऋणी रहूंगा। रोटी बैंक द्वारा जन सेवा के कई प्रकल्पों पर आगे कार्य करने पर विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि रोटी बैंक आने वाले समय में पशुओं को चारा और पक्षियों को दाना भी उपलब्ध करवाएगा एवम साथ ही शहर में निसहाय, गरीब और जरूरतमंद को टिफिन व्यवस्था भोजन भी उपलब्ध करवाएगा।गुप्ता ने उपस्थित समस्त समाजों के अध्यक्ष व प्रतिनिधियो, स्वयं सेवी संस्थाओं से आठाह किया कि प्रतिदिन के भोजन के लिए 3100 रूपये की सहयोग राशि के लिए आगे आकर 365 दिन के भोजन की व्यवस्था में सहयोग करे। इस अवसर पर पेंशनर समाज से 101 परिवारों की सूची एवम पूज्य सिंधी समाज से 51 परिवारों की सूची उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इसी प्रकार उन्नित संस्थान की नीलम श्रीमाल, शीतल पंड्या और महिला मंडल ने भी प्रतिदिन के भोजन में परिवारों को जोडऩे की घोषणा की। चंपालाल जैन ने सुझाव दिया की पक्षियों के दाना और पशुओं के लिए चारे के लिए भी ट्रस्टी सदस्य बने जाए इस सुझाव पर आम सहमति से 25 हजार रूपये के ट्रस्टी सदस्य बनाने की घोषणा हुई।प्रेमांशु पंड्या द्वारा संचालन करते हुए कहा कि रोटी बैंक की स्थापना पूर्व सभापति के के गुप्ता के मार्गदर्शन और सहयोग से 18 सितंबर 2018 को की गई जिसमे 68 ट्रस्टीयो द्वारा सहयोग किया गया।

प्रारंभ में सहयोगी के रूप में धनपाल जैन, महेश जैन, बंसीलाल कटारा, राजेश शर्मा, केतन शाह, पद्मेश गांधी द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया। रोटी बैंक में 7 वर्षो में 420 परिवारों द्वारा 3100 रुपए के सहयोग से 420 दिनों के भोजन की व्यवस्था हो पाई। कोरोना काल खंड में रोटी बैंक द्वारा 21 हजार लोगो को निशुल्क भोजन पैकेट उपलब्ध करवाए एवम 830 परिवारों को राशन सामठी जनसहयोग से दिया गया।

रोटी बैंक की बैठक को संबोधित करते के.के. गुप्ता।

वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ

बांसवाड़ा, (निसं)। नगर परिषद् एवं जीवदया सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में शास्त्री कॉलोनी, राजस्थान आवासन मण्डल हाउसिंग बोर्ड योजना में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति जैनेन्द्र त्रिवेदी ने की जबकि अतिथि के रुप में नेता प्रतिपक्ष ओम प्रकाश पालीवाल, नगर परिषद् आयुक्त मोहम्मद सुहैल शेख, जीव दया सेवा संस्था के जयेश पण्ड्या, अनिता, पार्षद श्यामा राणा, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउण्डेशन अध्यक्ष गमीरचंद पाटीदार, पार्षद कल्पेश सेवक एवं सुरेश कलाल मौजूद रहे। शास्त्री कॉलोनी के 1०० फीट रोड के दोनो ओर सघन वृक्षारोपण के साथ-साथ ट्री गार्ड आदि भी नूतन विद्यालय के एनएसएस विद्यार्थियों एवं आईआरजीआरवाय योजना श्रमिको के सहयोग से लगाए गए। कॉलोनी क्षेत्र के प्रत्येक गृहस्वामी ने पौधो के संरक्षण एवं समुचित देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। यहां के वाशिन्दो ने लगभग पांच पौधे गोद लिये एवं मैदान क्षेत्र को हरा-भरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पार्षद श्यामा राणा एवं मनीष उपाध्याय ने स्थानीय समस्याओं यथा पूल निर्माण, मैदान का विकास, रोड के बीच में डिवाईडर, सम्पर्क सडक को मुख्य मार्ग से जोडने आदि से सभापति को अवगत कराया। नगर परिषद् नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पौधरोपण करना ही महत्वपूर्ण नहीं है अपितु इनकी देखरेख एवं नियमित रूप से पानी पिलाकर इनका संरक्षण करना भी आवश्यक है।

समाज में पीछे रहे व्यक्ति को उठाना ही शिक्षा का उद्देश्य : डॉ. यादव

बांसवाड़ा, (निसं)। हम जब भी कोई काम करें तो यह जरुर देखना चाहिए कि उससे गरीब का भला हो रहा है या नहीं या समाज में जो सबसे पीछे रह गया है उसे संबल प्रदान कर पा रहे हैं या नहीं। यहीं भावना शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूर्ण करती है। उक्त उद्गार जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने विद्या भारती संस्थान के नवीन सांदीपनि विद्या निकेतन छात्रावास के विद्या निकेतन उमावि परिसर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पद से व्यक्त किये।

डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा नौकरी या रोजगार के लिये ही नहीं होती है वरन् वह इंसान का चरित्र निर्माण करती है जो शिक्षा चरित्र निर्माण नहीं कर सके उसके कोई औचित्य नहीं है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि व्यक्ति आदर्श जीवन जीते हुए राष्ट्रकृ के प्रति समर्पित रह सके। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी में रहने वाले सामाजिक रुप से दुर्बल की चिंता करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। इन्हीं भावनाओं को रखकर शिक्षा ग्रहण की जाये तो निश्चित रुप से वह सार्थक होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान स्थितियां दुरूखद् है क्योंकि शिक्षा सिर्फ प्रतियोगिता की तैयारियों के लिये की जा रही है और उसी का परिणाम है कि कुछ विद्यार्थी आत्महत्या कर लेते हैं तो कुछ घर छोडकर चले जाते हैं। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे जो आज पौधा तैयार कर रहे हैं वो कल राष्ट्रकृ का निर्माण करेगा अतरू शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की ओर ध्यान दें। कलक्टर डॉ. यादव ने बताया कि उन्होंने भी कक्षा 1 से 12 तक की शिक्षा विद्या भारती में ही ग्रहण की थी और आज राजस्थान में वही प्रार्थना सुनने को मिल रही है। मुख्यवक्ता विकासराज ने कहा कि ईश्वर प्राप्ति का मार्ग गुरु ही बता सकता है। गुरु-शिष्य परम्परा को आधार मानकर नवीन छात्रावास प्रारंभ किया जा रहा है जो सुखद् है। भारतवर्ष की परंपराएं, भारत की संस्कृति की वाहक है इसलिए शिक्षा में भारतीयता का होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बालक में धैर्य की अति कमी आ रही है जिसका मुख्य कारण मोबाईल का उपयोग हैं। वर्तमान शिक्षा के माध्यम से अच्छे और चरित्रवान युवा पीढी का निर्माण किया जाए। उन्होंने बताया की नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण से शिक्षा में भारतीयता का समावेश होगा।

इस अवसर पर बेणेश्वर पीठाधीश्वर अच्युतानंद महाराज ने कहा कि किसी भी देश की पहचान उसके नागरिकों के चरित्र से होती है इसीलिये हमें सद् चरित्र से युक्त युवा पीढी का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और आविष्कारों के बीच हमें भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करना होगा क्योंकि विद्या ही अवगुणों से मुक्ति प्रदान करती है वहीं जीवन को सार्थक बनाती है। उन्होंने कहा कि देश के चरित्र का वास्तविक निर्माण विद्या भारती के गुरुकुलों में होता है।

विद्या भारती संस्थान के नवीन सांदीपनि विद्या निकेतन छात्रावास का शुभारंभ हुआ।

मुझे रोहित शर्मा की कप्तानी पर पूरा भरोसा है। रोहित एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट भारत की अगुआई जारी रखेंगे। भारत उनकी कप्तानी में चैंपियन्स ट्रॉफी और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप डब्ल्यूटीसी जीतेगा। **- जय शाह**

बीसीसीआई सचिव, रोहित की कप्तानी के बारे में कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अर्शदीप सिंह

भारत के बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का यहां अपने गृहनगर में नायक की तरह स्वागत किया गया जहां प्रशंसकों और परिवार के सदस्यों ने उन्हें माला पहनाई, जुलूस निकाला और भांगड़ा किया। अर्शदीप ने हाल में टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने 17 विकेट लिए और अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी के साथ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर रहे।अर्शदीप के मुंबई से चंडीगढ़ पहुंचने पर स्वागत करते हुए उनके प्रशंसकों ने टीम इंडिया की जर्सी पहनी और तिरंगा लहराया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टेस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे टी-20 में 100 रन से हराया

शनिवार की हार का बदला रविवार को लिया

अभिषेक शर्मा ने तूफानी शतक लगाया

हरारे, 7 जुलाई। अभिषेक शर्मा (100) की शतकीय और ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (77) और रिंकू सिंह नाबाद (48) रनों विस्फोटक पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 100 रन से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 श्रृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली हैं।

235 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे को मुकेश कुमार ने पहले ही ओवर में इनोसेंट काइया (4) को बोल्ड कर पहला झटका दिया। हालांकि वेस्ले मधेवीरे और ब्रायन बेनेट ने कुछ देर पारी को संभाले रखा। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिये 34 रनों की साझेदारी हुई। चौथे ओवर में मुकश कुमार ने ब्रायन बेनेट (नौ गेंदों में 26 रन) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा।

रवि बिश्नोई ने वेस्ले मधेवीरे (39 गेंदों में 43 रन) को बोल्ड आउट किया। आवेश खान ने डिओन मेयर्स (शून्य) और कप्तान सिकंदर रजा(4) को सस्ते में पवेलियन भेज दिया। जोनाथन कैंपबेल (10) क्लाइव मडांडे(शून्य), वेलिंग्टन मसाकाट्जा (1) और ब्लेसिंग मुजराबानी (2) रन बनाकर आउट हुये। ल्यूक जॉन्गवे ने 26 गेंदों में चार चौके लगाते हुये (33) रन बनाये। भारतीय गेंदबाजी के आगे जिम्बाब्वे की पूरी टीम 18.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई।

भारत की ओर से मुकेश कुमार और आवेश खान ने तीन-तीन विकेट लिये। रवि बिश्नोई को दो विकेट मिले। वॉशिंगटन सुंदर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। आज के मैच में भारतीय बल्लेबाजी का तूफानी अंदाज कुछ इस तरह तथा पहले 10 ओवरों में जहां 74 रन बनाये। अगली 60 गेंदों में 160 रन जोड़ डाले। हालांकि बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने शुरुआत अच्छी नहीं रही थी दूसरे ओवर में ब्लेसिंग मुजराबानी ने शुभमन गिल (2) को ब्रायन के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दे दिया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये ऋतुराज गायकवाड़ ने अभिषेक शर्मा के साथ ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिये 137 रन जोड़ डाले। 14वें ओवर में वेलिंग्टन मसाकाट्जा ने अभिषेक शर्मा को मेयर्स के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। अभिषेक शर्मा ने 47 गेंदों में सात चौके और आठ छक्के लगाते हुये तूफानी अंदाज में (100) रन बनाये। ऋतुराज गायकवाड़ ने 47 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद (77) रनों की पारी खेली। रिंकू सिंह 22 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के लगाते हुए (48) रन पर नाबाद रहे। भारतीय ने निर्धारित 20 ओवरों में दो विकेट पर 234 का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे को जीत के लिए 235 रन लक्ष्य मिला था।

जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजराबानी और वेलिंग्टन मसाकाट्जा को एक-एक विकेट मिला।

बारिश के कारण नहीं हो सका दूसरी पारी का खेल, मैच रद्द

द. अफ्रीका की महिला टीम ने पहले खेलते हुए 178 रन बनाए

चेन्नई, 7 जुलाई। तेजमिन ब्रिट्स (52) और अन्नेका बोश (40) रनों की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत को जीत के लिये 178 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। पांचवें ओवर में पूजा वस्त्रकर ने लॉरा वुलफार्ट (12गेंदों में 22रन) को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। नौवें ओवर में दीप्ति शर्मा ने मैरिजान कप्प (14 गेंदों में 20) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। बिट्स और अन्नेका बोश की जोड़ी ने अभी 18 रन ही जोडे थे कि दीप्ती शर्मा ने तेजमिन ब्रिट्स (39 गेंदों में 52 रन) को छेत्री के हाथों स्टंप करवा दिया। क्लोई ट्राइऑन (12)और नडीन डी क्लर्क (14) रन बनाकर आउट हुई। अनरी डर्कसन 12 रन बनाकर नाबाद रही। दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 177 रन बनाये। भारत को जीत के लिये 178 रनों का लक्ष्य मिला है। भारत की ओर से पूजा वस्त्रकर और दीप्ती शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। राधा यादव और श्रेयंका पाटिल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अभय ने एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते

जोहोर, 7 जुलाई। प्रतिभाशाली स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने रविवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई डबल्स स्क्वाश चैम्पियनशिप में दोहरे खिताब हासिल किये। एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता अभय ने वेलावन सेंथिलकुमार के साथ मिलकर पुरुष युगल खिताब जीता। इसके बाद अभय ने अनुभवी जोशना चिनप्पा के साथ मिलकर मिश्रित युगल फाइनल में फतह हासिल की। अभय और वेलावन की शीर्ष वरीय जोड़ी ने पुरुष युगल फाइनल में मलेशिया के ओंग साई हुंग और सियाफिक कमाल की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-4, 11-5 से शिकस्त दी।

इसके बाद अभय और जोशना की तीसरी वरीय जोड़ी ने टोंग सेज विंग और टांग मिंग होंग की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को मिश्रित युगल फाइनल में 11-8, 10-11, 11-5 से हराया। वेलावन ने एक विज्ञिप्त में कहा, ''मैं अभय के लिए बहुत खुश हूं जिन्होंने इस हफ्ते इतना शानदार प्रदर्शन किया। हमें पूरा भरोसा था और हम बेहतर होते रहे। '' इस साल पद्म श्री पुरस्कार पाने वाली जोशना ने कहा, ''भारत के लिए फिर से खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि मैं घुटने की सर्जरी के कारण पिछले पांच महीनों से खेल से दूर थी। युगल से वापसी करना अच्छा मौका था ताकि मैं पीएसए टूर पर वापसी कर सकूं।

एशिया कप में भारत की अगुआई करेंगी हरमनप्रीत कौर

मुंबई, 7 जुलाई। हरमनप्रीत कौर 19 जुलाई से श्रीलंका में होने वाले महिला टी20 एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। हरमनप्रीत अभी चेन्नई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही टी20 श्रृंखला में खेल रही हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को उप-कप्तान बनाया गया है। मुख्य टीम की 15 खिलाड़ियों के अलावा श्वेता सहरावत, साइका इशाक, तनुजा कंवर और मेघना सिंह को रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर शामिल किया गया है। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में रखा गया है जिसमें चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (19 जुलाई), संयुक्त अरब अमीरात (21 जुलाई) और नेपाल (23 जुलाई) शामिल हैं। सभी मैच रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जायेंगे। भारत गत विजेता है और उसने रिकॉर्ड सात बार प्रतियोगिता जीती है।

भारतीय टीम इस प्रकार है- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), पूजा वस्त्रकार, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन है।

विनेश फोगाट ने जीता ग्रां प्री ऑफ स्पेन का खिताब

मैड्रिड, 7 जुलाई। पेरिस ओलंपिक 2024 से भारत की स्टार महिला पहलवान विनेश फोगाट ने एक बार फिर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्पेन में आयोजित ग्रैंड प्रिक्स कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग का खिताब जीत लिया हैं।

विनेश ने शनिवार देर रात खेले गये टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में इंडिविजुअल नेचुरल एथलीट मारिया तिउमेरेकोवा को 10-5 से हराया। शुरुआती मुकाबले में विनेश ने मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को 12-4 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। इसके बाद भारतीय पहलवान ने क्वार्टरफाइनल में राष्ट्रमंडल खेल 2022 की रजत पदक विजेता कनाडा की मैडिसन पार्क्स को हराया। सेमीफाइनल में कनाडा की कैटी डचक को 9-4 से शिकस्त दी थी।

उल्लेखनीय है कि विनेश स्पेन के मैड्रिड में प्रशिक्षण ले रही। विनेश फोगाट मैड्रिड में अपने प्रशिक्षण कार्यकाल के बाद फ्रांस के बोलोग्ने सुर-मेर के लिए रवाना होंगी। दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस 2024ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

प्रियांशु कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कैलगरी, 7 जुलाई। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी प्रियांशु राजावत को कनाडा ओपन में पुरुष एकल के सेमीफाइनल मुकाबले में रविवार को फ्रांस के एलेक्स लैनियर से हार का सामना करना पड़ा। बैडमिंटन रैंकिंग में 39वें स्थान पर मौजूद प्रियांशु 45 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 37वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के एलेक्स लैनियर से सीधे गेम में 21-17, 21-10 से हार गए। इस हार के साथ टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया।पहले गेम की शुरुआत प्रियांशु ने बढ़त के साथ की। लैनियर ने बराबरी हासिल करने के लिए वापसी की और फिर 7-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद दोनों खिलाड़ी एक-एक अंक के लिए बराबरी करते रहे और 16-16 के स्कोर तक बराबरी पर रहे।फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वी ने इसके बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर 20-17 कर लिया और गेम पर नियंत्रण पा लिया। हालांकि प्रियांशु एक गेम प्वाइंट बचाने में सफल रहे, लेकिन वह पहले गेम में 21-17 से हार गए। दूसरा गेम एकतरफा साबित हुआ। प्रियांशु अपने प्रतिद्वंद्वी को टक्कर नहीं दे पाए और 19 वर्षीय एलेक्स लैनियर ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए शुरुआत में ही 14-3 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

तुर्की को हराकर नीदरलैंड यूरो कप के सेमीफाइनल में

बर्लिन, 7 जुलाई। नीदरलैंड ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तुर्की को 2-1 से हराकर यूरोकप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

शनिवार देर रात खेले गये मैच के दूसरे हाफ में नीदरलैंड ने शानदान वापसी करते हुए तुर्की को 2-1 से हराकर पहली बार यूरोकप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

विन्सेन्जो मोंटेला की अगुआई में तुर्की के समेट अकादिन ने शक्तिशाली हेडर से नीदरलैंड पर गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नीदरलैंड ने जवाबी हमला किया और (70वें) मिनट में स्टीफन डी व्रीज के शानदार गोल की बदौलत स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दबाव में कोडी गैकपो के क्रॉस को मर्ट मुलदुर ने (76वें) मिनट में अपने ही नेट में गेंद डालकर नीदरलैंड को 2-1 से जीत दिला दी।

भारतीय हॉकी टीम के भरोसेमंद खिलाड़ी शमशेर को मिला पेरिस का टिकट

नई दिल्ली, 7 जुलाई।फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने जा रहे ओलंपिक खेलों के लिए युवा मिडफील्डर शमशेर सिंह टीम में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। उनका सबसे बड़ा लक्ष्य टीम का सबसे भरोसेमंद बनने है। युवा भारतीय मिडफील्डर शमशेर सिंह का कहना है कि उनकी कठिन पृष्ठभूमि ने उन्हें जीवन में अनिश्चितताओं के लिए अच्छी तरह से तैयार किया है। उन्हें हॉकी में अपने शुरुआती दिनों में मुझे कई बाधाओं का सामना करना पड़ा और स्टिक, किट और जूते जैसी बुनियादी चीजों के लिए संघर्ष करना पड़ा। 27 वर्षीय ने इस खिलाड़ी ने साल 2020 में टोक्यो में ओलंपिक टेस्ट इवेंट में सीनियर भारत के लिए पदार्पण किया था। शमशेर सिंह का जन्म 29 जुलाई 1997 को अटारी पंजाब में हुआ था और उन्होंने हॉकी के इस महान खेल के प्रति इतनी कम उम्र में ही झुकाव विकसित कर लिया था और जालंधर पंजाब में सुरजीत सिंह हॉकी अकादमी में कोच अवतार सिंह के मार्गदर्शन में इस महान खेल की बारीकियाँ सीखीं। वह अटारी से भारत की ओलंपिक टीम में चुने जाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। शमशेर सिंह ने मात्र 11 वर्ष की आयु में जालंधर स्थित सुरजीत सिंह हॉकी अकादमी में दाखिला लिया तथा अपने जीवन के अगले वर्ष अकादमी में ही बिताए, जहां उन्हें पढ़ाई पर ध्यान देने के साथ-साथ खेल की बारीकियां सीखने का अवसर मिला तथा शमशेर ने अपनी पढ़ाई में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और इस महान खेल के प्रति उनके अपार योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2021 में अर्जुन पुरस्कार भी मिला। शमशेर सिंह एक साधारण परिवार से आते हैं और उनका पूरा परिवार उनके पिता की आय पर निर्भर था।

कोपा कप : पनामा ने कोलंबिया व अमेरिका ने ब्राजील को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लेनडेल, 7 जुलाई। कोलंबिया ने दबदबा बनाते हुए कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में शनिवार को यहां पनामा को 5-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथकोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 27 मैच तक पहुंचा दिया। जॉन कोरडोवा ने आठवें मिनट में जेम्स रोड्रिग्ज की कॉर्नर किक पर हैडर से गोल दागकर कोलंबिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। रोड्रिग्ज ने 10 मिनट के भीतर पेनल्टी किक पर एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-0 से आगे किया। लुई डियाज ने रोड्रिग्ज के पास पर गोल दागकर कोलंबिया की बढ़त 3-0 की।

मध्यांतर तक कोलंबिया की टीम 3-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में 70वें मिनट में रिचर्ड रायोस और फिर मिगुएल बोर्जा ने इंजरी टाइम में पेनल्टी किक पर गोल करके कोलंबिया की 5-0 से जीत सुनिश्चित की। कोलंबिया बुधवार को सेमीफइनल में उरूग्वे से भिड़ेगा जिसने ब्राजील को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया।

अमेरिका ने ब्राजील को 4-2 से हराया

लास वेगास, 7 जुलाई। । मैनुएल उगार्ते ने पांचवीं और अंतिम पेनल्टी किक पर गोल दागा जिससे उरूग्वे ने शनिवार को यहां ब्राजील को 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। दोनों ही टीमें निर्धारित समय और फिर अतिरिक्त समय में भी गोल करने में नाकाम रहीं। 41 फाउल हुए जो टूर्नामेंट के किसी मुकाबले में सर्वाधिक हैं। इस दौरान सिर्फ चार शॉट ही गोल की तरफ मारे गए। उरूग्वे के नाहितन नांदेज को रोड्रिगो के खिलाफ खतरनाक टैकल के लिए 74वें मिनट में लाल कार्ड दिखाकर बाहर किया गया लेकिन ब्राजील की टीम विरोधी टीम के 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने का फायदा नहीं उठा सकी।

मुख्यमंत्री ने राजपुरोहित छात्रावास का उद्घाटन किया

- अच्छी शिक्षा से युवा बनें आत्मनिर्भर और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करें : भजनलाल शर्मा
- मुख्यमंत्री ने कहा कि जो 70 हजार पदों पर भर्तियों का काम चल रहा है उनसे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में राजपुरोहित छात्रावास का उद्घाटन किया। इस सार्वजनिक कार्यक्रम में संतजनों की भी उपस्थिति रही।

जयपुर, 7 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर में संतजनों की उपस्थिति में राजपुरोहित ग्लोबल सेंटर ऑफ ऐक्सीलैंस (राजपुरोहित छात्रावास) का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजपुरोहित समाज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस छात्रावास का निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और सामाजिक सरोकार की सच्ची मिसाल है। यह छात्रावास युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रावास में विभिन्न क्षेत्रों के विद्यार्थी साथ रहते हैं, जिससे बेहतर संवाद स्थापित होता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने छात्रावास परिसर का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति और समाज के विकास का मुख्य आधार है। शिक्षा से ज्ञान प्राप्त कर कौशल का विकास होता है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है और बेहतर जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करती है। युवा वर्ग भारत का भविष्य है, अच्छी शिक्षा हासिल कर वह राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने हमारी युवा शक्ति को निराशा की गर्त में धकेल दिया था। पेपर लीक की घटनाओं से कड़ी मेहनत करने वाले ईमानदार विद्यार्थियों का मनोबल टूट गया था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनते ही पेपर लीक के मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई। भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं के संबंध में एसआईटी ने ठोस कार्रवाई करते हुए 108 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सपनों को तोड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता में शामिल हैं। उन्होंने युवा शक्ति को राष्ट्रशक्ति के रूप में पहचान कर उनके लिए अनेक कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुख बनाने, युवाओं को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने लायक बनाने और उन्हें वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लेकर आए हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश के प्रत्येक संभाग में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस स्थापित किए जा रहे हैं। तकनीक से जुड़े नए विचारों को प्रोत्साहित करने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो एंड एक्सीलरेटर्स शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान में खेल आधुनिकीकरण मिशन शुरू कर रही है, जिससे प्रदेश की खेल प्रतिभाएं ओलम्पिक तक पहुंच सकें।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवा शक्ति की राज्य के विकास में सहभागिता बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए इस वर्ष लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को निजी क्षेत्र में करिअर निर्माण में मार्गदर्शन देने के लिए प्रदेश के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उन्हें पूर्ण विश्वास है कि इस लक्ष्य को युवा अपने आत्मबल, समर्पण और शक्ति से हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए नागरिक कर्तव्यों का पालन करें एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाएं। शर्मा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए एक पेड़ अवश्य लगाएं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भी कल्पवृक्ष का पौधारोपण किया।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, छगन सिंह राजपुरोहित, प्रशांत शर्मा तथा संत तुलसारामजी महाराज, निर्मलदास महाराज, आत्मानंद सरस्वतीजी महाराज सहित युवा शक्ति एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सतीश पूनिया का बाड़मेर आगमन पर जोरदार स्वागत

पूनिया ने बाड़मेर सर्किट हाउस में जाट समाज के छात्रों को संबोधित करते हुए लोकसभा में हिन्दुओं के प्रति राहुल गांधी के बयान की तीखी आलोचना की

- पूनिया ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी गाड़ी पटरी पर दौड़ते-दौड़ते कब उतर जाये इसका कुछ अता-पता नहीं है, उनका हिन्दुओं के खिलाफ दिया गया यह बयान पटरी से गाड़ी उतर जाने जैसा ही है।

बाड़मेर, 7 जुलाई (निसं)। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया रविवार को एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत बाड़मेर प्रवास पर पहुंचे। पूनिया बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी में आयोजित होने वाले जाट समाज के छात्रावास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे।

कार्यक्रम में शामिल होने से पहले सर्किट हाउस में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया का साफा, मालाएं व पटुडा ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। इसके बाद पत्रकार वार्तालाप की। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा प्रभारी सतीश पूनिया ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी पर सवाल खड़े किए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हिंदुओं को लेकर दिए गए बयान पर बोलते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि, अभी भी कई नेता परिपक्व नहीं हुए हैं उसका पैमाना राहुल गांधी है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी गाड़ी पटरी पर दौड़ते- दौड़ते कब उतर जाए इसका कुछ अदा-पता नहीं है और उनका यह बयान पटरी से गाड़ी उतरने जैसा ही है।

पूनिया ने कहा कि लोगों ने कहा कि राहुल गांधी ने नेता प्रतिपक्ष के नाते अच्छा भाषण दिया पर एक कमी छोड़ दी। उन्होंने आगे बोलते हुए कहा कि किसी व्यक्ति, समाज या फिर दल विशेष के लिए कह सकते हो, लेकिन पूरे हिन्दू समाज को बोलना की यह हिंसा करते हैं। पूनिया ने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें कही ना कहीं विदेशी ताकतों का हाथ है। पूनिया ने कहा कि इस तरह का बयान कोई अपरिपक्व राजनेता ही दे सकता है। उनको देश से माफी मांगनी चाहिए।

पूनिया ने राजस्थान की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार को खर्ची की सरकार बताया। पूनिया ने ये भी कहा कि विधानसभा में हंगामा कर कांग्रेस पेपर लीक और करप्शन के मुद्दे को भटकना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज में आज भारत पूरे विश्व में अपना डंका बजा रहा है। विकास की रफ्तार की तरफ बढ़ रहा है। विश्व मे भारत की साख बढ़ी है। मोदी सरकार व राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से गरीब व आमजन को लाभ मिल रहा है।

प्रेस वार्तालाप में जिलाध्यक्ष दिलीप पालीवाल,पूर्व जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह खारा, विधायक आदूराम मेघवाल,डॉ प्रियंका चौधरी,जिला प्रवक्ता रमेशसिंह इन्दा,आई.टी. प्रदेश सह संयोजक दीपक कड़वासरा, जिला महामंत्री रणवीरसिंह भादू उपस्थित रहे।

गोवा में लैण्डस्लाइडिंग में फंसे 80 पर्यटक

- ये पर्यटक सत्तारी तालुका के एक वॉटरफॉल में रविवार की छुट्टी मनाने पहुँचे थे तभी अचानक से उस स्थान पर जल स्तर बहुत बढ़ गया।

पणजी, 7 जुलाई। देश के अलग-अलग हिस्सों में बीते कुछ दिनों से मध्यम से लेकर तेज बरसात हो रही है। जोरदार बारिश के चलते कहीं पर भूस्खलन हुआ है तो कहीं बाढ़ की नौबत आ गई है। गोवा के सत्तारी तालुका में पाली वाटरफॉल में रविवार को भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर बढ़ गया। इसके चलते वहां पर 80 पर्यटक फंस गए थे जिन्हें बचा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन और आपातकालीन सेवाकर्मियों की मदद से फंसे हुए लोगों को बचाया गया। जलप्रपात तक पहुंचने के लिए एक नदी पार करनी पड़ती है। रविवार होने के कारण सुबह जलप्रपात पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। भारी बारिश के बीच दोपहर जलप्रपात में पानी का बहाव अचानक बढ़ने से वहां मौजूद लोग फंस गए।

पुलिस अधीक्षक अक्षत कौशल ने बताया, 'पाली जलप्रपात से सभी 80 लोगों को बचा लिया गया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बचाव अभियान गोवा अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के साथ मिलकर चलाया गया।' अधिकारियों के अनुसार, फंसे लोगों की ओर से वालपोई थाने को सूचित करने और मदद मांगने के बाद बचाव अभियान शुरू हुआ। एक अन्य घटनाक्रम में, राज्य शिक्षा विभाग ने लगातार बारिश के मद्देनजर सोमवार को स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है। छुट्टी छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार तक गोवा के लिए रेड अलर्ट घोषित किया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में रोहाना के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 707 अवरुद्ध हो गया है। क्षेत्र में भारी बारिश के बाद भारी भूस्खलन की घटना हुई। इसके कारण हाटकोटी और पांवटा साहिब को जोड़ने वाला राजमार्ग बंद कर दिया गया है। पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा सड़क पर गिर गया, जिससे बड़ी-बड़ी चट्टानें निकल गईं और मार्ग बाधित हो गया। हाल की भारी बारिश के कारण पूरे हिमाचल प्रदेश में 80 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं जिनमें मंडी, कुल्लू, शिमला, सिरमौर और कांगड़ा जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। शिमला मौसम कार्यालय ने अगले सप्ताह 13 जुलाई तक भारी बारिश, तूफान और बिजली गिरने की भविष्यवाणी करते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

गंगानगर शहर बारिश से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिल की भूमि के पास रेलवे अण्डर पास में पानी भर गया। पानी के कारण कुछ वाहन चालकों ने ओवरब्रिज से निकलना बेहतर समझा।

जबकि कई वाहन अण्डर पास में पानी होने बावजूद उसमें से निकलते रहे। पिछले एक महीने से जिला प्रशासन बार बार नगर परिषद और यू.आई.टी. को बरसाती पानी निकासी से निपटने के लिए कड़े प्रबंधन करने के निर्देश दे रहा था लेकिन नगर परिषद और यू.आई.टी. ने सिर्फ औपचारिकताएं निभाई। बारिश के कारण अनेक स्थानों पर पानी सड़कों और मोहल्लों में एकत्र हो गया।नगर परिषद की ओर से पानी की सुचारू निकासी के लिए जेसीबी मशीनें, डंपर, सुपर सकर मशीन, पंप सेट भेजने पड़े। मानूसन से पहले शहर के नालों की सफाई व्यवस्था की पोल रविवार को फिर खुली। बारिश के दौरान नालों के कचरे, गंदगी व सील्ट से अटे होने के कारण नाले उफान पर रहे। नालों का कचरा व गंदगी सड़कों पर फैलता रहा। कई स्थानों पर सीवर जाम के कारण चैंबर उफान पर रहे। चैंबरों से पानी निकलता रहा। जिले के कई इलाकों में खूब बरसात हुई हैं। इससे खेतो में सूख रही फसलों को फायदा होगा। वहीं उमस से राहत मिली है। जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम के अनुसार कई जगह ज्यादा बरसात हुई है तो वहीं कहीं कम बरसात हुई है।

कांग्रेस विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होटल मेरियट मे राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अध्यक्षता में शाम 4 बजे विधायक दल की बैठक होगी। जिसमें राजस्थान विधानसभा के आगामी बजट सत्र को लेकर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी तथा जनहित के मुद्दों को उठाने हेतु रणनीति तैयार होगी। बैठक के बाद शाम 5 से 6 बजे तक नवनिर्वाचित विधायकों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन होगा।

चतुर्वेदी ने बताया कि शाम 7 बजे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा एवं कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन व बाप के नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत समारोह पूर्वक किया जाएगा।

महिला क्रिकेटर्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने शरीर का मूल्यांकन करने के बहाने नाबालिग लड़कियों की नग्न तस्वीरें खींची और उनका यौन उत्पीड़न किया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने पोक्सो की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, केरल महिला क्रिकेट टीम के पूर्व कोच मनु को महिला खिलाड़ियों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दो दिन पहले ही तिरुवनंतपुरम से गिरफ्तार किया था। अभी वो न्यायिक हिरासत में है। पुलिस जांच में आरोपी के खिलाफ नए-नए खुलासे सामने आए हैं। पुलिस ने आरोपी मनु के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

राहुल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल गांधी का फिर राज भवन जाने का कार्यक्रम है और उसके बाद वह प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

शिवसेना नेता के बेटे की कार से टक्कर में स्कूटी सवार महिला की मौत

- शिवसेना नेता का बेटा एवं आरोपी मिहिर शाह एक्सिडेंट से कुछ देर पहले अपने दोस्तों के साथ बार गया था, जहां जमकर शराब पी थी, शराब पीने की बात सार्वजनिक होने के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है।

मुंबई, 7 जुलाई। रविवार सुबह मुंबई के वर्ली इलाके में शिवसेना के एक नेता के बेटे ने अपनी बी.एम.डब्ल्यू. कार से दोपहिया वाहन सवार महिला को टक्कर मार दी। जिसमें महिला की मौत हो गई, जबकि उसका पति घायल हो गया। हादसे के बाद पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। इस हादसे में नई जानकारी सामने आई है।

ऐसा पता लगा है कि आरोपी मिहिर शाह हादसे से कुछ देर पहले अपने दोस्तों के साथ बार गया था। जहां शराब पी गई थी। पुलिस हालांकि मामले की जांच कर रही है कि क्या हादसे के वक्त मिहिर नशे में था?

पुलिस को संदेह है कि फरार आरोपी मिहिर शाह घटना के वक्त नशे में था। वह अभी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। वर्ली थाने के अधिकारी ने बताया कि कार के मालिक और आरोपी के पिता राजेश शाह और उसमें सवार राज राजेंद्र सिंह बिदावत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और उन्हें हिरासत में लिया गया है। राजेश शाह सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना के नेता हैं।

इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि कानून सभी के लिए बराबर है और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। यह पूछने पर कि क्या इस दुर्घटना में शामिल व्यक्ति शिवसेना के एक नेता का बेटा है, इस पर शिंदे ने कहा, "कानून सभी के लिए बराबर है और सरकार हर मामले को एक ही नजरिए से देखती है। इस दुर्घटना के लिए कोई अलग नियम नहीं होगा। सब कुछ कानून के अनुसार किया जाएगा।"

बार के मालिक करण शाह के मुताबिक, मिहिर शाह शनिवार देर रात 11:00 बजे जुहू में वॉयस ग्लोबल तापस बार में अपने दोस्तों के साथ पार्टी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मिहिर शनिवार रात 11:08 बजे मर्सिडीज में अपने दोस्तों के साथ बार में आया था। उनके साथ कोई महिला नहीं थी। रात 1:40 बजे बिल का भुगतान करने के बाद वे मर्सिडीज कार में चले गए।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस को खुला चैलेंज दिया

दिलावर ने कहा, माँ का दूध पिया है तो फिर से कश्मीर में धारा 370 लगाकर दिखाओ

- मदन दिलावर रविवार को झुंझुनू प्रवास पर रहे। जहां विभिन्न भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।
- दिलावर ने कहा कि, एक समय था जब कश्मीर में राम का नाम लेने वालों को गोलियों से मार दिया जाता था, कोई पाकिस्तानी युवक कश्मीरी लड़की से विवाह करके भारतीय नागरिक बन जाता था लेकिन अब वहां के हालात बदल चुके हैं।

बगड़, 7 जुलाई (निसं)। भाजपा के फायर ब्रांड लीडर और सूबे के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस को खुला चैलेंज दिया है। मदन दिलावर ने कांग्रेस को चैलेंज किया कि यदि मां का दूध पिया है तो वे कश्मीर में फिर से 370 धारा लागू करके दिखाएं।

दरअसल रविवार को शिक्षा मंत्री झुंझुनूं के दौरे पर रहे, इस दौरान वे बगड़ कस्बे में पहुंचे। जहां पर नगरपालिका चेयरमैन गोविंद सिंह राठौड़ की अगुवाई में दिलावर का स्वागत किया गया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा देश का अपमान किया है। कश्मीर में देशवासी भारत मां के जयकारे नहीं लगा सकते थे। अपना तिरंगा नहीं लहरा सकते थे। हिंदू भगवान श्रीराम की जय बोलते तो उन्हें गोलियां से मार दिया जाता था। पाकिस्तान का युवक कश्मीर की लड़की से शादी कर उसकी संपत्ति में हिस्सेदार हो जाता था। लेकिन हिंदुस्तानी युवक यदि कश्मीर की लड़की से शादी कर लेता तो लड़का का हिस्सा खत्म हो जाता था। कांग्रेस ने 370 की धारा की आड़ में आतंकवादियों को शरण दी और बढ़ावा दिया। अब जब भाजपा ने 370 की धारा हटा दी है। तो कांग्रेस धमकी दे रही है कि वह चीन के साथ मिलकर कश्मीर में फिर से 370 धारा लगाएगी। लेकिन मैं कांग्रेसियों से कहना चाहता हूं कि यदि उन्होंने अपनी मां का दूध पिया है तो कश्मीर में फिर से 370 लागू करके दिखाए। इस मौके पर दिलावर ने अधिक से अधिक पौधे लगाने का आव्हान किया। मंच पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, बगड़ नगरपालिका चेयरमैन गोविंद सिंह राठौड़, भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनिया तथा भाजपा नेता राजेंद्र भांबू समेत अन्य मौजूद थे। श्री चावो मंदिर परिसर स्थित चावो वीरो अतिथि सदन में हुए कार्यक्रम में दादूद्वारा के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी अर्जुनदास महाराज का सानिध्य रहा। वहीं चेयरमैन गोविंद सिंह राठौड़ ने स्वागत भाषण देते हुए कस्बेवासियों की ओर से शहीद प्रशांत बुंदेला राजकीय स्कूल में कला, वाणिज्य व जीव विज्ञान संकाय स्वरूप करवाने की मांग की। मंत्री दिलावर ने अभिनव प्रगति समिति की ओर से कस्बे का प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। शिक्षाविद महेंद्र शास्त्री ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर कुलदीपसिंह कालीपहाड़ी, वीरेंद्र सिंह राठौड़, विकास खटोड़, बिरजूसिंह शेखावत, निरंजन आल्हा, उमा पुरोहित, सरजीत चौधरी, चंदगीराम सैनी आदि मौजूद थे। अभिनंदन कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम संयोजक व मंत्री के सहपाठी श्रवणसिंह शेखावत के घर पर लंच के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके पश्चात् महात्मा ज्योतिबा फुले सामुदायिक भवन अशोकनगर में मंत्री दिलावर ने पौधारोपण किया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908